मेरा राजस्थान

वर्ष-२१, अंक-०१, मुम्बई, मार्च २०२६ सम्पादक-बिजय कुमार जैन पृष्ठ ४४ मूल्य -१००.०० रूपए प्रति

राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त राजस्थान समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

भारतीय संस्कृति का पावन पर्व होली पर हार्दिक शुभकामनाएं

S C

Sharda Cropchem Ltd.

Prime Business park, Dashrathlal Joshi Road,
Vile Parle West, Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400056
Ph. Off.: +91 22 66782800
E-mail: office@shardaintl.com
(ASSOCIATE CONCERN SHARDA INTERNATIONAL FZCO DUBAI, U.A.E.)

ISO 9001: 2008 Reg. No: 690257
CIN: U51909MH2004PLC145007

Remove India Name From the Constitution India को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए

पत्रिका द्वारा होने वाली आय भारतीय भाषायी संस्कृति संवर्धन व हिंदी बनें राष्ट्रभाषा अभियान की सफलता पर खर्च किया जा रहा है

http:// www.merarajasthan.co.in

भारत को 'भारत' ही बोला जाए अभियान

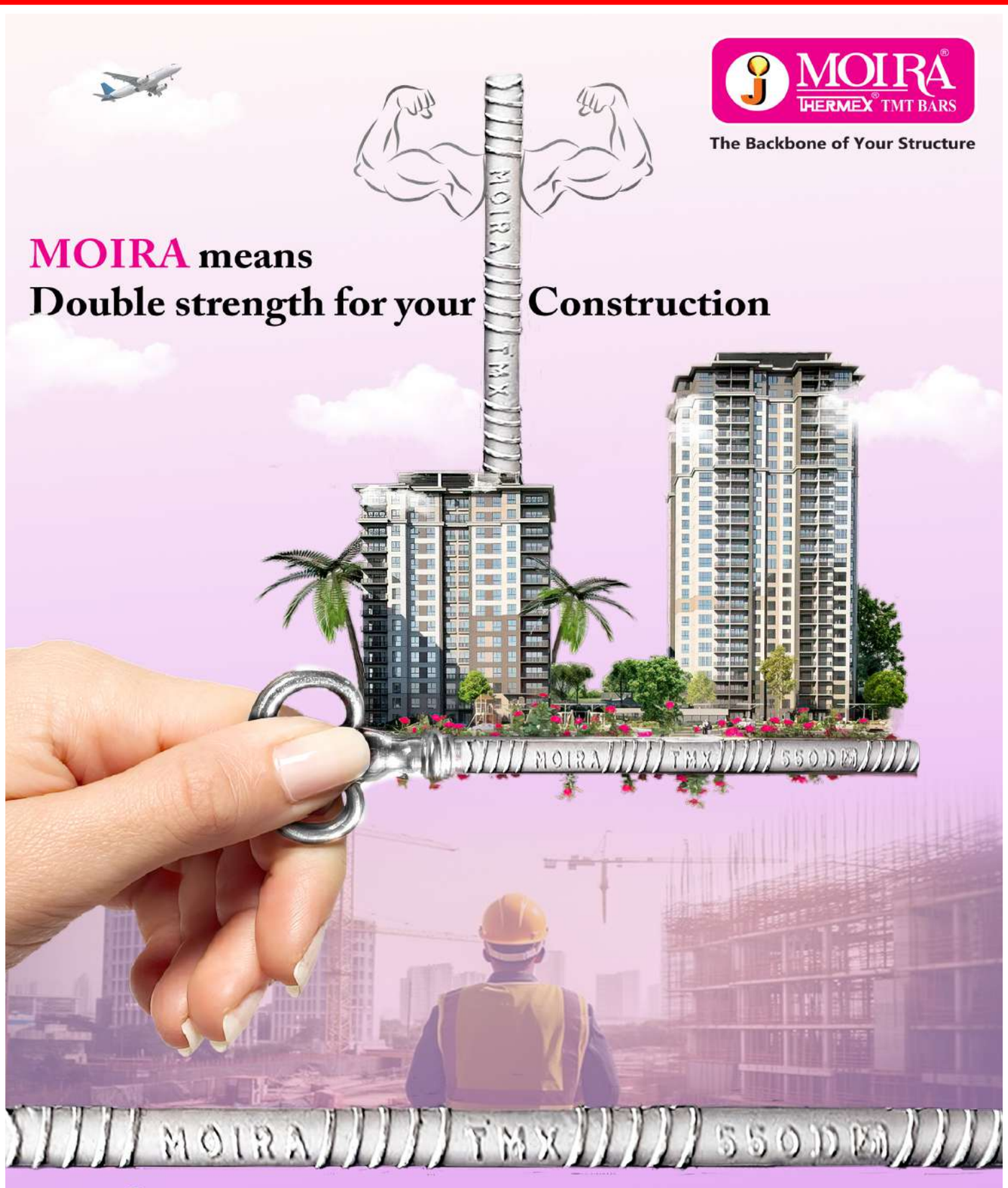

MOIRA
THERMEX TMT BARS
The Backbone of Your Structure
MOIRA means
Double strength for your Construction
MOIRA TMX
Available In : Fe 550, Fe 550D, Fe 600 & CRS
JAIDEEP METALLICS
& Alloys Pvt. Ltd.
106 / 107 / 108, 1st Floor, Neha Ind. Estate, Behind CCI Ltd., Off Dattapada Road, Borivali (E),
Mumbai - 400 066. Phone : +91 2242032000 Fax : +91 22 42032020
Email : ajay@moiratmt.com | marketing@moirantmt.com

राजस्थान है हमारा-भारत को है प्यारा

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत क्र. U80300MH2021NPL369101

12A Reg No. AAPCM0514R25MB01 / 80G Reg No. AAPCM0514R25MB02 / CSR Reg No. CSR00101842

मैं भारत हूँ फाउंडेशन

भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर

द्वारा आयोजित

३० मार्च

राजस्थान स्थापना दिवस

के उपलक्ष पर

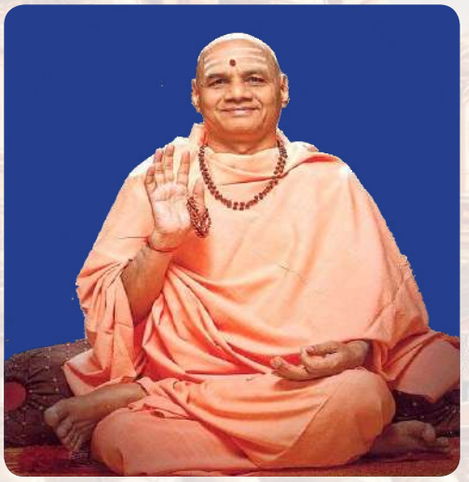

शुभहस्ते उद्घाटन

स्वामी गोविंद देव गिरीजी महाराज

कोषाध्यक्ष

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र

भारत का एक राज्य महाराष्ट्र की सांस्कृतिक नगरी 'पुणे' में स्थापित 'गणेश कला क्रीड़ा मंच' सभागार में ३० मार्च २०२६ सोमवार को

विशिष्ट अतिथि

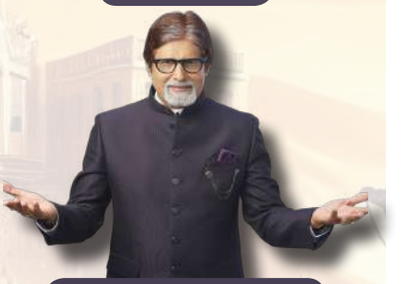

शशीकांत पेडवाल

प्रोफेसर, अभिनेता, इन्फ्लुएंसर

आपणों राजस्थान 9 वाँ वर्ष

भारतीय संस्कृति का समागम

भव्यतिभव्य राजस्थानी, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक कार्यक्रम के साथ B2B का आयोजन नृत्य, गीत, संगीत के साथ राजस्थानी व्यंजन का भी रहेगा संगम

राष्ट्रीय अध्यक्ष
बिजय कुमार जैन, मुंबई
मो. 9322307908

राष्ट्रीय महामंत्री
शोभा सादानी, कोलकाता
मो. 8910628944

राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष
डॉ. गोविंद माहेश्वरी, कोटा
मो. 9414183919

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
निशा लड्ढा, कोलकाता
मो. 9830224300

राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री
रवि जैन
मो. 81088435715

राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री
वर्षा मुंधडा, कोलकाता,
मो. 9874272916

संगठन मंत्री:
अनुपमा शर्मा (दाधीच), मुंबई,
मो.9702205252

JISO राष्ट्रीय अध्यक्ष
सुरेश पुनमिया,मुंबई,
मो. 9833334444

प्रचार-प्रसार मंत्री
रामानुज भट्टड़, मुंबई
मो. 9819902311

'एक राष्ट्र-एक नाम 'BHARAT'

जय महाराष्ट्र

गौमाता बनें राष्ट्रमाता

राष्ट्रमाता बनें
निवेदक: मैं भारत हूँ फाउंडेशन

१० होली का त्योहार ...

१४ शीतला अष्टमी....

१६ होली पर बनायें विशेष व्यंजन...

१८ गुड़ी पाडवा आया...

२० आस्था और प्रेम का उत्सव गणगौर...

मार्च २०२६ के अंक की झलकियाँ

और भी बहुत कुछ....

'मेरा राजस्थान अप्रैल २०२६ री विशेषतावां

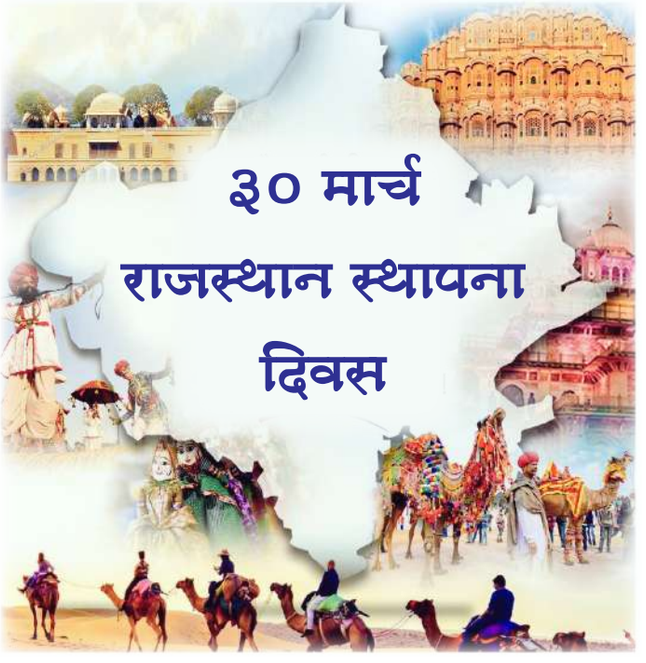

जैतारण राजस्थान के ब्यावर (पूर्व में पाली) जिले में स्थित एक ऐतिहासिक नगर और नगरपालिका है। यह शहर अपने गौरवशाली इतिहास और धार्मिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। माना जाता है कि इसकी स्थापना विक्रम संवत 1354 (1297 ईस्वी) के आसपास हुई थी। पौराणिक कथाओं के अनुसार, जैता गुर्जरी की गायों की रक्षा के लिए हुए भीषण युद्ध (रण) के कारण इसका नाम 'जैतारण' पड़ा।... **शेष पढें अगले अंक में...**

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

होली के इस त्यौहार में छिपा है मिठास, रंग और गुलाल में छिपा हैं ढेर सारा प्यार होली की हार्दिक शुभकामनायें

JRL
Creating Wealth Preserving Values

PANGRAM
VENTURE
PARTNERS LLP

JRL MONEY
We understand only MONEY!

J.R.Laddha Financial Services Pvt Ltd

Sri. Arun Laddha
Director

Sri. Jodhraj Laddha
Chairman

Sri. Manoj Laddha
Director

WEALTH MANAGEMENT

INVESTMENT BANKING

VENTURE FUND

CORP OFFICE
7th Floor, TRADE WORLD B wing, Kamala Mills Compound
Lower Parel, Mumbai - 400013,
Tele: 022 61969000
Email - infomumbai@jrladdha.in

REGD OFFICE
8th Floor, Everest House, 46C, Jawaharlal Nehru Road,
Kolkata - 700071,
Tele : 033 22882990
Email : info@jrladdha.in

www.jrladdha.in **www.jrlmoney.com**

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

वर्ष-२१, अंक ०१, मार्च २०२६

१२ अंक वार्षिक १२००/-

सम्पादक : बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए
का आव्हान करने वाला भारत माँ का लाडला

उपसम्पादक - संतोष जैन 'विमल'

कार्यकारी सम्पादक - अनुपमा शर्मा (दाधीच)

मो. 9702205252

'मेरा राजस्थान' के संरक्षक

स्व. रामनारायण घ. सराफ, मुम्बई

सम्पर्क करें...

सम्पादकीय कार्यालय
गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड
की शानदार प्रस्तुति

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

बी- २१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व,
मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400 059. दूरध्वनि - 022- 4015 8094

भ्रमणध्वनिः 9322307908

अणुडाकः mailgaylordgroup@gmail.com
mainbharathunfoundation@gmail.com
अन्तरताना : http//: www.merarajasthan.co.in
http//:www.bijayjain.com

जय जय राजस्थान
जय जय राजस्थानी

संपादकीय ....

भारतीय संस्कृति का परिचायक है होली पर्व

संगठन, मेल-मिलाप, हंसी ठिठोली, अच्छाई का सिरमौर है होली

मुझे याद है बचपन में जब मेरे मित्र, मेरे संबंधी मेरे गालों पर होली का रंग लगाते थे, उस रंग को उतारने में मुझे कष्ट भी होता था लेकिन किसी भी प्रकार की शारीरिक हानि नहीं होती थी, बहुत ही आनंद आता था, कई दिनों तक स्मृति शेष रहती थी कि वापस 'होली' का त्यौहार कब आएगा, क्या पता था कि जो त्यौहार चला गया वह १ वर्ष के बाद ही आएगा, बचपन तो बचपन ही होता है, स्मरण संस्मरण ही तो बना रहता है, पर त्यौहारिक आनंद स्मरणीय बना रहे इसलिए इंतजार रहता है।

आज 'होली' के त्यौहार का रंग-रुप ही बदल गया है, लोगों के चेहरे में जो सामाजिक आनंद होता था वह आनंद बंद कमरे में मोबाइल में सिमट कर रह गया है, सारा का सारा आनंद ६ इंच मोबाइल की स्क्रीन में जो समाया हुआ है, उसे ही देखकर हम आनंदित होते रहते हैं, सामाजिक व संस्कृति का दृष्टिकोण सब कुछ मोबाइल में समा गया है, पहले जब हम छोटे-छोटे थे, तब होली का रंग उतारने के बाद, नए कपड़ों के संग अपने परिवारिक स्नेह मित्रों के घर जाकर, बड़े-बुजुर्गों का चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लेकर गुजिया खाने का जो आनंद मिलता था, वह मोबाइल के स्क्रीन में कहां से प्राप्त हो सकता है, विरल हो गया है वह आनंद। आज का युवा वर्ग सोशल मीडिया से जरूर जुड़ा रहे क्योंकि सोशल मीडिया से आनन-फानन में विश्व की जानकारी जरूर मिल जाती है पर पारिवारिक आनंद तो घर व परिवार में ही मिलता है, यह बात भी आज के युवाओं को बतानी चाहिए जो कि हम सभी का कर्तव्य भी है।

मेरे राजस्थानी भाई-बहनों को बताना चाहता हूं कि हम सबके राजस्थान की स्थापना ३० मार्च १९४९ को हुई थी, विभिन्न जिलों से बने 'राजस्थान' को इस वर्ष ७७ वर्ष होने जा रहा है।

मेरी इच्छा बहुत है कि मैं 'राजस्थान स्थापना दिवस' हर वर्ष की तरह इस साल भी मनाऊँ प्रवासी राजस्थानीयों के साथ, भारत का एक राज्य महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी पुणे में...

जय भारत!

SBI BANK for payment

HDFC BANK for payment

आपका अपना
-बिजय कुमार जैन
वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
मो.९३२२३०७९०८

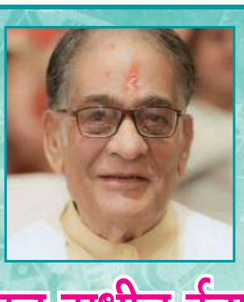

होली सो होली, पुराने बदरंगों को बहा दो महाकुंभ में,
आओ सब मिलकर बनायें प्यार-प्रेम, सौहार्द की नव रंगोली।

मदनलाल दाधीच ईनाणीयाँ
भूतपूर्व अध्यक्ष अ.भा.दाधीच ब्राह्मण महासभा
मो : 09414086667

३०४, शगुन रेजीडेंसी, जैन स्कूल के पास, बजाज रोड,
सीकर, राजस्थान, भारत-३३२००१

भारत को भारत ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

होली के इस त्यौहार में छिपा है मिठास, रंग और गुलाल में छिपा हैं ढेर सारा प्यार होली की हार्दिक शुभकामनायें

मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारत के इतिहास में पहली बार
विभिन्न २२ भारतीय भाषाओं में
'भारत नाम सम्मान'
गीत का निर्माण
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत क्र. U80300MH2021NPL369101

DR. VINOD TIBREWALA

CHAIRPERSON

श्री. जे. जे. टी. यूनिवर्सिटी
एवं
राजस्थानी सेवा संघ

श्रीनिवास बगड़का मार्ग जे.बी. नगर, अंधेरी पूर्व,
मुंबई, महाराष्ट्र, भारत -४०००५९

BELLCROSS
Your Disposable Solution Provider

Bellcross Industries Pvt. Ltd.
Mumbai

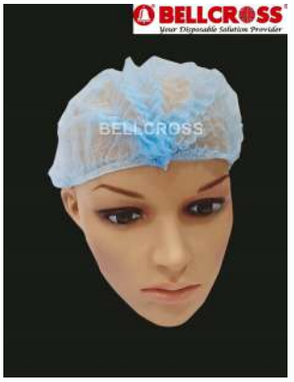

Cap

Mask

Gloves

Nitrile Gloves

Industrial / Lab Appron

Under Pad

Nikunj Kedia - +91- 9819324236
Sarika Gawali - +91- 9561496360
Nidhi Gunjal - +91- 9867996960

उल्लास, आनंद, उमंग और भाईचारे के
साथ जीवन व्यतीत करें
होली पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

Damani Shreekant Gwaldas
Mob : 9821064779

Damani Enterprises

"A" Class Govt. Electrical Contractor

"A" Class Govt. Electrical Contractor
Shop No. 13, Pujit Plaza, Plot No. 67, Sector 11,
CBD Belapur, New Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400614

भारत को भारत ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

बसंत रितु की छाई है बहार,रंग बरसे नीले,हरे, लाल और उड़े है गुलाल
दिलो का है त्योहार। होली पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाईया।

Pravin Kumar Kedia
Mob: 7004546638

KEDIA TRADING
MOLASSES TRADERS

Delhi and Raipur Chhattisgarh, Kedia market,
Main road, Gopalganj, Bihar, Bharat- 841428

AGARWAL GROUP OF COMPANIES

Where you matter

MahaRERA No. P51800078684
maharera.mahaonline.gov.in

Aura of prosperity

AGARWAL

java

GOREGAON EAST

SIGNATURE 2, 3, 4 & 5 BHK DECK RESIDENCES STARTING AT ₹1.89CR.

Upper Govind Nagar, Goregaon East | **900 400 2018**

www.agarwalgroup.net.in

Homewell Realty LLP

Agrawal Golden Chamber, Plot No. 13/A, Behind Balaji Telefilms,
Fun Republic Road, Off New Link Road, Andheri-(West), Mumbai- 400053

पिचकारी की धार, अपनों का प्यार, यही है होली का त्योहार

फागुन आते ही चहुं ओर 'होली' के रंग दिखाई देने लगते हैं, जगह-जगह 'होली' मिलन समारोहों का आयोजन होने लगता है। 'होली' हर्षोल्लास, उमंग और रंगों का पर्व है, यह पर्व फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है, इससे एक दिन पूर्व 'होलिका' जलाई जाती है, जिसे 'होलिका' दहन भी कहा जाता है। दूसरे दिन रंग खेला जाता है, जिसे धुलेंडी, धुरखेल तथा धूलिवंदन कहा जाता है। लोग एक-दूसरे को रंग अबीर-गुलाल लगाते हैं। रंग में भरे लोगों की टोलियां नाचती-गाती गांव-शहर में घूमती रहती हैं। ढोल बजाते और 'होली' के गीत गाते लोग मार्ग में आते-जाते लोगों को रंग लगाते हुए 'होली' को हर्षोल्लास से खेलते हैं, विदेशी लोग भी होली खेलते हैं, सांध्यकाल में लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं और मिष्ठान बांटते हैं।

पुरातन धार्मिक पुस्तकों में 'होली' का वर्णन अनेक जगह मिलता है। नारद पुराण और भविष्य पुराण जैसे पुराणों की प्राचीन हस्तलिपियों और ग्रंथों में भी इस पर्व का उल्लेख है। विंध्य क्षेत्र के रामगढ़ स्थान पर स्थित ईसा से तीन सौ वर्ष पुराने एक अभिलेख में भी 'होली' का उल्लेख किया गया है। 'होली' के पर्व को लेकर अनेक कथाएं प्रचलित हैं, सबसे प्रसिद्ध कथा विष्णु भक्त प्रह्लाद की है। माना जाता है कि प्राचीन काल में हिरण्यकश्यप नाम का एक अत्यंत बलशाली असुर था, वह स्वयं को भगवान मानने लगा था, उसने अपने राज्य में भगवान का नाम लेने पर प्रतिबंध लगा दिया था, जो कोई भगवान का नाम लेता, उसे दंडित किया जाता था। हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का भक्त था। प्रह्लाद की प्रभु भक्ति से क्रुद्ध होकर हिरण्यकश्यप ने उसे अनेक कठोर दंड दिए, परंतु उसने भक्ति के मार्ग का त्याग नहीं किया। हिरण्यकश्यप की बहन 'होलिका' को वरदान प्राप्त था कि वह अग्नि में भस्म नहीं हो सकती। हिरण्यकश्यप ने आदेश दिया कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि कुंड में बैठे। अग्नि कुंड में बैठने पर 'होलिका' तो जल गई, परंतु प्रह्लाद बच गया। भक्त प्रह्लाद की स्मृति में इस दिन 'होलिका' जलाई जाती है, इसके अतिरिक्त यह पर्व राक्षसी ढुंढी, राधा कृष्ण के रास और कामदेव के पुनर्जन्म से भी संबंधित है, कुछ लोगों का मानना है कि होली में रंग लगाकर, नाच-गाकर लोग शिव के गणों का वेश धारण करते हैं तथा शिव की बारात का दृश्य बनाते हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इस दिन पूतना नामक राक्षसी का वध किया था, इससे प्रसन्न होकर गोपियों और ग्वालों ने रंग खेला था।

देश में होली का पर्व विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है। 'ब्रज' की होली मुख्य आकर्षण का केंद्र है। 'बरसाने' की लठमार होली भी प्रसिद्ध है, इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएं उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। मथुरा का प्रसिद्ध ४० दिवसीय होली उत्सव वसंत पंचमी से ही प्रारंभ हो जाता है, श्री राधा रानी को गुलाल अर्पित कर होली उत्सव शुरू करने की अनुमति मांगी जाती है, इसी के साथ ही पूरे ब्रज पर फाग का रंग छाने लगता है। वृंदावन के शाहजी मंदिर में प्रसिद्ध वसंती कमरे में श्रीजी के दर्शन किए जाते हैं, यह कमरा वर्ष में केवल दो दिन के लिए खुलता है। मथुरा के अलावा बरसाना, नंदगांव, वृंदावन आदि सभी मंदिरों में भगवान और भक्त पीले रंग में रंगे जाते हैं। ब्रह्मर्षि दुर्वासा की पूजा की जाती है। हिमाचल प्रदेश के कुलू में भी वसंत पंचमी से ही लोग 'होली' खेलना प्रारंभ कर देते हैं। कुलू के रघुनाथपुर मंदिर में सबसे पहले वसंत पंचमी के दिन भगवान रघुनाथ पर गुलाल चढ़ाया जाता है, फिर भक्तों की 'होली' शुरू हो जाती है। लोगों का मानना है कि रामायण काल में हनुमान ने इसी स्थान पर भरत से भेंट की थी। कुमाऊं में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियां आयोजित की जाती हैं। बिहार का फगुआ प्रसिद्ध है। हरियाणा की 'धुलंडी' में भाभी पल्लू में ईंटें बांधकर देवरों को मारती हैं। पश्चिम बंगाल में 'दोल जात्रा' निकाली जाती है, यह पर्व चैतन्य महाप्रभु के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। शोभायात्रा निकाली जाती है। महाराष्ट्र की 'रंग पंचमी' में सूखा गुलाल खेला जाता है।

गोवा के 'शिमगो' में शोभा यात्रा निकलती है और **शेष पृष्ठ १२ पर...**

SHREE Guruji®

Swad bhi... Sehat bhi...

होली आई, तो लाओ गुरुजी ठण्डाई

अब 400ml और 200ml
के छोटे पैक में भी उपलब्ध

92381 15295 | www.shreeguruji.com

पृष्ठ १० से... सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। पंजाब के होला मोहल्ला में सिक्ख 'शक्ति प्रदर्शन' करते हैं। तमिलनाडु की 'कमन पोडिगई' मुख्य रूप से कामदेव की कथा पर आधारित वसंत का उत्सव है। मणिपुर के याओसांग में योंगसांग उस नन्हीं झोपड़ी का नाम है, जो पूर्णिमा के दिन प्रत्येक नगर-ग्राम में नदी अथवा सरोवर के तट पर बनाई जाती है। दक्षिण गुजरात के आदिवासी भी धूमधाम से 'होली' मनाते हैं। छत्तीसगढ़ में लोक गीतों के साथ 'होली' मनाई जाती है। मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के आदिवासी 'भगोरिया' मनाते हैं। 'भारत' के अतिरिक्त अन्य देशों में भी 'होली' मनाई जाती है।

'होली' सदैव ही साहित्यकारों का प्रिय पर्व रहा है, प्राचीन काल के संस्कृत साहित्य में 'होली' का उल्लेख मिलता है, श्रीमद्भागवत महापुराण में रास का वर्णन है, अन्य रचनाओं में 'रंग' नामक उत्सव का वर्णन है, इनमें हर्ष की प्रियदर्शिका एवं रत्नावली और कालिदास की कुमारसंभवम् तथा मालविकाग्निमित्रम् सम्मिलित हैं। भारवि एवं माघ सहित अन्य कई संस्कृत कवियों ने अपनी रचनाओं में वसंत एवं रंगों का वर्णन किया है, चंद बरदाई द्वारा रचित हिंदी के पहले महाकाव्य पृथ्वीराज रासो में होली का उल्लेख है, भक्तिकाल तथा रीतिकाल के हिन्दी साहित्य में 'होली' का विशिष्ट उल्लेख मिलता है। आदिकालीन कवि विद्यापति से लेकर भक्तिकालीन सूरदास, रहीम, रसखान, पद्माकर, जायसी, मीराबाई, कबीर और रीतिकालीन बिहारी, केशव, घनानंद आदि कवियों ने 'होली' को विशेष महत्व दिया है। प्रसिद्ध कृष्ण भक्त महाकवि सूरदास ने वसंत एवं 'होली' पर अनेक पद रचे हैं। भारतीय सिनेमा ने भी 'होली' को मनोहारी रूप में पेश किया है, अनेक फिल्मों में 'होली' के कर्णप्रिय गीत सुनने को मिलते हैं।

'होली' आपसी ईर्ष्या-द्वेष भावना को बुलाकर संबंधों को मधुर बनाने का पर्व है, परंतु देखने में आता है कि इस दिन बहुत से लोग शराब पीते हैं, जुआ खेलते हैं, लड़ाई-झगड़े करते हैं, रंगों की जगह एक-दूसरे में कीचड़ डालते हैं, काले-नीले पक्के रंग एक-दूसरे पर फेंकते हैं, ये रंग कई दिन तक नहीं उतरते, रसायन युक्त इन रंगों के कारण अक्सर लोगों को त्वचा संबंधी रोग हो जाते हैं, इससे आपसी कटुता बढ़ती है, होली प्रेम का पर्व है, इसे प्रेमभाव के साथ ही मनाना चाहिए, पर्व का अर्थ रंग लगाना या हुड़दंग करना नहीं है, बल्कि इसका अर्थ आपसी द्वेषभाव को भुलाकर भाईचारे को बढ़ावा देना है क्योंकि 'होली' खुशियों का पर्व है।

-मेरा राजस्थान

होली का त्योहार, रंगो का त्योहार, मिलकर मनाएं, खुशियों का त्यौहार हम मिलकर मनाएं होली का त्यौहार

Harish S. Agrawal
Vijay S. Agrawal
Narendra S. Agrawal
Mob. 9820046998
Dinesh N. Agrawal
Mitesh H. Agrawal

SHA DEEPCHAND PANNALAL MAWAWALA
Pure & Fresh Mawa Of Gujrat Wholesaler & Retailer
243, Sant Sena Marg, 2nd Kumbharwada, Mumbai, Maharashtra, Bharat-400004 Ph.: 022-23813798, 23883220

Umesh N. Agrawal
Mob.9892622233
TRAVEL LOUNGE
International & Domestic Air & Rail Tickets
Shop No.12, Kavita Bldg., Main Carter Road, Next to ICICI Bank, Borivali East, Mumbai, Maharashtra, Bharat-400066 Ph: 022-28635361
Mob. 9320022233 Email : umesh@tlounge.in

Yogesh H. Agrawal
Mob.: 9987316966
मुंबई चस्का
पिंक मिसळ & भेळ
स्पे. अमृततुल्य चहा / स्पे. मिसळ / स्पे. भेळ / स्पे. वडापाव / स्पे. छास / मटठा
स्पे. जैन मिसळ / वडापाव / भेळ
Pink Tea
Shop No.11 A, Sai Shreepal Chsl, Satya Nagar, Opp. Bhagwati Hotel, Borivali West, Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400092

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

II JAI SHRI KRISHNA II

भारतीय संस्कृति का परम पावन त्यौहार होली पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं

RASHMI ENTERPRISES

"Excellence is not an act, but a habit"

Authorized Distributor's

West Coast Paper Mills Ltd., Kolkata
Kuantum Paper Ltd., Chandigarh
Satia Industries Ltd., Delhi
DSG Papers Pvt. Ltd., Patiala

4546/I-2/16, 3rd Floor, Ansari Road
Darya ganj ,New Delhi – 110002
Near Kastle Guest House, Opp. Happy Public School
Tel: +91-11-43503793, 41614583 , +91- 99997 25001
Email: bahety2@gmail.com

Courtesy

Vinod Bahety

PH:+91 98100 26840

शीतला अष्टमी

शीतला अष्टमी हिन्दुओं का त्योहार है, जिसमें शीतला माता के व्रत और पूजन किये जाते हैं, ये होली सम्पन्न होने के अगले सप्ताह के बाद करते हैं, प्राय: शीतला देवी की पूजा चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि से प्रारंभ होती है, लेकिन कुछ स्थानों पर इनकी पूजा 'होली' के बाद पड़ने वाले पहले सोमवार अथवा गुरुवार के दिन ही की जाती है। भगवती शीतला की पूजा का विधान भी विशिष्ट होता है। शीतलाष्टमी के एक दिन पूर्व उन्हें भोग लगाने के लिए बासी खाने का भोग यानि बसौड़ा तैयार कर लिया जाता है। अष्टमी के दिन बासी पदार्थ ही देवी को नैवेद्य के रूप में समर्पित किया जाता है और भक्तों के बीच प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है, इस कारण से ही संपूर्ण उत्तर भारत में शीतलाष्टमी त्यौहार, बसौड़ा के नाम से विख्यात है, ऐसी मान्यता है कि इस दिन के बाद से बासी खाना खाना बंद कर दिया जाता है, ये ऋतु का अंतिम दिन होता है जब बासी खाना खा सकते हैं।

माहात्म्य

प्राचीनकाल से ही शीतला माता का बहुत अधिक महात्म्य रहा है। स्कंद पुराण में शीतला देवी शीतला का वाहन गर्दभ बताया है, ये हाथों में कलश, सूप, मार्जन (झाड़ू) तथा नीम के पत्ते धारण करती हैं, इन बातों का प्रतीकात्मक महत्व होता है। चेचक का रोगी व्यग्रता में वस्त्र उतार देता है। सूप से रोगी को हवा की जाती है, झाड़ू से चेचक के फोड़े फट जाते हैं। नीम के पत्ते फोड़ों को सड़ने नहीं देते। रोगी को ठंडा जल प्रिय होता है, अतरू कलश का महत्व है। गर्दभ की लीद के लेपन से चेचक के दाग मिट जाते हैं। शीतला-मंदिरों में माता शीतला को गर्दभ पर ही आसीन दिखाया गया है। स्कन्द पुराण में इनकी अर्चना का स्तोत्र शीतलाष्टक के रूप में प्राप्त होता है, ऐसा माना जाता है कि इस स्तोत्र की रचना भगवान शंकर ने लोकहित में की थी, शीतलाष्टक शीतला देवी की महिमा का गान करता है, साथ ही उनकी उपासना के लिए भक्तों को प्रेरित भी करता है। शास्त्रों में भगवती शीतला की वंदना के लिए यह मंत्र बताया गया है।

''वन्देऽहंशीतलांदेवीं रासभस्थांदिगम्बराम्।।
मार्जनीकलशोपेतां सूर्पालंकृतमस्तकाम्।।,अर्थात्

गर्दभ पर विराजमान, दिगम्बरा, हाथ में झाड़ू तथा कलश धारण करने वाली, सूप से अलंकृत मस्तकवाली भगवती शीतला की मैं वंदना करता हूँ। शीतला माता के इस वंदना मंत्र से यह पूर्णत: स्पष्ट हो जाता है कि ये स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी हैं।

हाथ में मार्जनी (झाड़ू) होने का अर्थ है कि हमलोगों को भी सफाई के प्रति जागरूक होना चाहिए। कलश से हमारा तात्पर्य है कि स्वच्छता रहने **शेष पृष्ठ १५ पर...**

।। श्री ।।

इत श्याम को रंग ऐसो लाग्यो, श्याम ही श्याम पुकारत राधा।
उत ठण्डाई पी के ऐसो भयो, श्याम पुकारत राधा ही राधा।।

Guruji®
होली आई रे कन्हाई
पियो केसरिया ठण्डाई

Guruji THANDAIWALA PVT. LTD.
149, Cotton Street, Kolkata - 700007
Phone: (033) 2258-2221 / 2182
email: gurujithandaiwala@yahoo.com

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

पृष्ठ १४ से... पर ही स्वास्थ्य रूपी समृद्धि आती है।

मान्यता अनुसार इस व्रत को करने से शीतला देवी प्रसन्न होती हैं और व्रती के कुल में दाहज्वर, पीतज्वर, विस्फोटक, दुर्गन्धयुक्त फोड़े, नेत्रों के समस्त रोग, शीतला की फुंसियों के चिन्ह तथा शीतलाजनित दोष दूर हो जाते हैं।

विधान

शीतला माता की पूजा के दिन घर में चूल्हा नहीं जलता, आज भी लाखों लोग इस नियम को बड़ी आस्था के साथ पालन करते हैं। शीतला माता की उपासना अधिकांशत: वसंत एवं ग्रीष्म ऋतु में होती है। शीतला (चेचक रोग) के संक्रमण का यही मुख्य समय होता है, इसलिए इनकी पूजा का विधान पूर्णत: सामयिक है। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ और आषाढ के कृष्ण पक्ष की अष्टमी शीतला देवी की पूजा-अर्चना के लिए समर्पित होती है, इसलिए यह दिन शीतलाष्टमी के नाम से विख्यात है। आधुनिक युग में भी शीतला माता की उपासना स्वच्छता की प्रेरणा देने के कारण सर्वथा प्रासंगिक है। भगवती शीतला की उपासना से स्वच्छता और पर्यावरण को सुरक्षित रखने की प्रेरणा मिलती है।

चैत्र नवरात्र - श्रद्धा और निष्ठा का पर्व

नवरात्र हिंदू धर्म का एक खास और महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है, वैसे नवरात्र साल में चार बार पड़ते हैं। साल के प्रथम मास चैत्र में पहली नवरात्र होती है। चौथा महीना आषाढ़ का होता है जिसमें दूसरी नवरात्र पड़ती है, इसके बाद अश्विन माह में प्रमुख शारदीय नवरात्र होती है। साल के अंत में माघ में गुप्त नवरात्र होते हैं, इन सभी नवरात्रों का जिक्र देवी भागवत तथा अन्य धार्मिक ग्रंथों में भी किया गया है। विक्रम संवत के हिसाब से चैत्र माह से हिंदू नववर्ष की भी शुरुआत होती है और इसी दिन से नवरात्र भी शुरू होते हैं, लेकिन यह एक भी उत्सुकता का विषय है कि आखिर चैत्र नवरात्र से क्यों हिंदू नववर्ष की शुरुआत होती है। 'मेरा राजस्थान' पत्रिका के प्रबुद्ध पाठकों को बताएंगे कि इसके पीछे क्या वजह है:

पौराणिक मान्यताओं पर विश्वास करें तो सृष्टि के आरंभ के समय चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन पर ही देवी ने ब्रह्माजी को सृष्टि की रचना करने का कार्यभार सौंपा था, इसलिए यह दिन सृष्टि के निर्माण का दिन माना जाता है, मान्यता है कि यह दिन समस्त जगत के आरंभ का दिन है। देवी भागवत पुराण के अनुसार, इस तिथि पर ही देवी मां ने देवी-देवताओं के कार्यों का बंटवारा किया था और तत्पश्चात सभी ने अपना काम संभालते हुए सृष्टि के संचालन के लिए शक्ति और आशीर्वाद मांगा था, इसी के चलते चैत्र नवरात्र से हिंदू वर्ष का आरंभ माना जाता है।

यह है अन्य कारण : सनातन नववर्ष की शुरुआत चैत्र माह के नवरात्र से होने के पीछे कुछ अन्य खास महत्व भी हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार ऐसा होने के पीछे सृष्टि रचयिता ब्रह्मदेव हैं, उन्होंने आज के दिन ही संसार की रचना का कार्य शुरु किया था और इसकी प्रेरणा भगवान नारायण को प्रदान की थी, देवी पुराण में उल्लेख है कि सृष्टि के आरंभ से पूर्व अंधकार का साम्राज्य था, तब आदि शक्ति जगदंबा देवी अपने कूष्मांडा अवतार में भिन्न वनस्पतियों और दूसरी वस्तुओं को संरक्षित करते हुए सूर्यमंडल के मध्य व्याप्त थी, जगत निर्माण के समय माता ने ही त्रिदेव यानि ब्रह्मा,विष्णु और भगवान शिव की भी रचना की थी। देवी पुराण में यह भी लिखा है कि इसके बाद सत, रज और तम नामक गुणों से तीन देवियां यानि लक्ष्मी, सरस्वती और काली माता की उत्पत्ति हुई।

आदिशक्ति की कृपा से ही ब्रह्माजी ने संसार की रचना की थी, देवी ने ही भगवान विष्णु को पालनहार और शिवजी को संहारकर्ता बनाया था। देवी की कृपा से ही सृष्टि निर्माण का कार्य संपूर्ण हुआ था, इसलिए सृष्टि के आरंभ की तिथि के दिन से नौ दिन तक मां जगदंबा के नौ स्वरूपों की पूजा करने की मान्यता है। देवी के सभी स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा की जाती है और देवी से प्रार्थना की जाती है कि जिस तरह उन्होंने संसार की रचना का कार्य सफलता पूर्वक किया, वैसे ही आने वाला यह नेया संवत भी हम सबके जीवन में खुशहाली लेकर आए, इस दिन से ही पंचांग की गणना भी की जाती है, मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जन्म भी चैत्र नवरात्र में ही हुआ था।

चैत्र नवरात्रि क्यों मनाई जाती है : रम्भासुर का पुत्र था महिषासुर, जो अत्यंत शक्तिशाली था, उसने कठिन तप किया था। ब्रह्माजी ने प्रकट होकर कहा- 'वत्स! एक मृत्यु को छोड़कर, सबकुछ मांगों। महिषासुर ने बहुत सोचा और फिर कहा- 'ठीक है प्रभो! देवता, असुर और मानव किसी से मेरी मृत्यु न हो, किसी स्त्री के हाथ से मेरी मृत्यु निश्चित करने की कृपा करें।' ब्रह्माजी 'एवमस्तु' कहकर अपने लोक चले गए, वर प्राप्त करने के बाद उसने तीनों लोकों पर अपना अधिकार जमा कर त्रिलोकाधिपति बन गया, सभी देवता उससे परेशान हो गए, तब सभी देवताओं ने आदिशक्ति जगदंबा (अंबा) का आव्हान किया और तब देवताओं की प्रार्थना सुनकर माताराणी ने चैत्र नवरात्रि के दिन अपने अंश से ९ रूपों को प्रकट किया, इन ९ रूपों को देवताओं ने अपने-अपने शस्त्र देकर महिषासुर को वध करने का निवेदन किया। शस्त्र धारण कर माता शक्ति संपन्न हो गई। कहते हैं कि नौ रूपों को प्रकट करने का क्रम चैत्र माह की शुक्ल प्रतिपदा से प्रारंभ होकर नवमी तक चला, इसीलिए इन ९ दिनों को चैत्र नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है।

होली पर बनायें विशेष व्यंजन

मालपुआ

मालपुआ उत्तर भारत में बनायी जाने वाली रैसिपी है, ये बहुत ही स्वादिष्ट होते है और इन्हें बनाने का तरीका बहुत आसान है।

कढ़ाई में तलने के लिये तेल डालिये और उसे गरम करिये, तेल को ज्यादा गरम न होने दें, थोड़े गरम तेल में उन काटे हुये टुकड़ों में से, थोड़े से टुकड़ों को डाल कर (इतने ही टुकड़े एक बार में डालें जितने उस तेल में डूब सके) मीडियम आग पर तलें, जब ये आपको हल्के ब्राउन दिखने लगे तब आप इनको किसी प्लेट में नैपकिन पेपर पर बिछाकर, कलछी की सहायता से निकाल कर रख लीजिये, सारे नमक पारे तल कर तैयार कर लीजिये, चटपटा बनाने के लिये आप इनमें चाट मसाला डाल कर मिला दीजिये।

ठंडा होने के लिये हवा में खुला रख दीजिये। नमक पारे और शांके तैयार हैं और ये आप चाय के साथ खा सकते हैं। बचे हुये नमकपारे एअर टाइट डिब्बे में भर कर रख लीजिये और जब भी आपका मन हो, नमकपारे कन्टेनर से निकालिये और २ महिने तक खाते रहिये, स्वादिष्ट लगेंगे।

बालूशाही

बालूशाही खाने में एकदम खस्ता एवं स्वादिष्ट होती हैं एवं इसमें मावा का उपयोग नहीं होता। होली के पर्व पर मिठाइयां तो हम बनायेंगे ही। मिठाइयों की अधिक मांग के कारण बाजार में जो मावा मिलता

शेष पृष्ठ १७ पर...

उल्लास, आनंद, उमंग और भाईचारे के
साथ जीवन व्यतीत करें
होली पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

Shankarlal Agarwal
Mob: 09832150448

Ritesh Agarwal
Mob: 09800066161

RITESH TRADEFIN LTD.

Manufacturers of
RTF Brand Strctural Steel & Sponge Iron

Lenin Sarani, Kanjilal Avenue,Durgapur, West Bengal Bharat - 713210
Ph: 0343-2553518 Email: mbispat_rtf@rediffmail.com

भारत को भारत ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

खेलों होली अपनों के संग, जीवन में भर दे खुशियों के रंग
होली की हार्दिक शुभकामनायें

Satyanarayan Agarwal
Chairman
Mob. 9820511399

SVG
SHREE VENKTESHWAR GROUP

India's Leading Vertically Integrated Manufacturer Of Polyester Knits

Products: POY, Textured Yarn, Polyester Knits,
Home Furnishings, Embroidery, Sportswear Apparel

SVG Fashions Pvt. Ltd.
Sunflag Filaments Ltd.
Raj Rayon Industries Ltd.

* Corporate Office *
Agarwal Golden Chambers, 2nd/3rd Floor., A-13, Veera Desai Indl. Estate,
Off. New Link Road, Behind Balaji Telefilm, Andheri West, Mumbai,
Maharashtra, Bharat-400053 I Ph.: 022-42509700 Fax : 022-42509709
E-mail : sna@svgindia.com I Website : www.svgfashions.com

Mills : (1) 719, Somnath Road, Nani Daman,Daman (U.T.)
(2) 55-B, Dhandhyog Ind. Estate, Silvassa
(3) 2 G.I.D.C., Ankleshwar, (Gujarat)
(4) Survey No. 177/1/3 & 177/1/4, Village Surangi Silvassa

पृष्ठ १६ से... है, वह अधिकांश मिलावटी होता है इसलिये ऐसी मिठाई बनाना अच्छा है जिसमें मावा उपयोग नहीं होता, इसलिए आईये, आज हम बालूशाही बनायें।

आवश्यक सामग्री

मैदा- ५०० ग्राम, घी- १५० ग्राम (३/४ कप) मैदा में मिलाने के लिये।

ठंडाई

सामग्री:

१ लीटर दूध, १/२ का टुकड़ा दालचीनी, १/२ चम्मच सौंफ, १०-१२ बादाम, १०-१२ काजू, १०-१२ पिस्ता, १/४ छोटा चम्मच सफ़ेद गोल मिर्च (या काली मिर्च) का पाउडर, ३/४ चम्मच खसखस, १ चम्मच सूखी हुई गुलाब की पंखुड़ी, ४-५ हरी इलाइची का पाउडर, ३/४ कप चीनी।

विधि

काजू, बादाम, पिस्ता, खसखस, सौफ और गुलाब की पंखुड़ी को ४ घंटे पहले से पानी में भीगा दें..

फिर दूध और चीनी को छोड़ के ग्राइंडर में भीगी हुई सामग्री और बाकी बची सारी सामग्री मिला के बारीक पेस्ट बना लें..

फिर दूध में पिसा हुआ पेस्ट और चीनी मिलायें चीनी अच्छे से घुल जाने के बाद, एक ज्यूस छानने वाली छलनी से छान दे. (चाहे तो बचे हुए पेस्ट को एक बार फिर से पीस के दूध में मिला सकते हैं)

ठंडा होने के लिए फ्रिज में रख दें..

सर्व करने से पहले एक बार फिर से मिक्सर में चलायें..

ठंडी और स्वादिष्ट ठंडाई गर्मियों में पिए और पिलायें..

होली मनाने के हर्बल टिप्स....खुद ऐसे घर पर बनाएं आयुर्वेदिक हेल्दी कलर!!

हमारे जीवन में रंगों का अपना महत्व है, रंगीन मौसम, रंगीन मिजाज, सतरंगी छटा और न जाने कितनी ही उपमाओं से हमने अपने जीवन को रंगीन बनाया है, शायद होली के रंग भी कुछ ऐसा ही सन्देश देते हैं, होली पर रंगों का प्रयोग अक्सर होता है पर यदि इसमें कुछ संसोधन कर दिए जाएँ तो बात ही कुछ और हो जाये, हम आपको कुछ ऐसे ही देशी टिप्स बताते हैं, जो रंगों को और अधिक रंगीन तो बनायेंगे ही, साथ ही अच्छे स्वास्थ्य को भी बरकरार रखेंगे....

मेहंदी के पाउडर को आटे के साथ मिला दें, इसका रंग हरा हो जाएगा और जब आप इसे पानी में मिलायेंगे तो यह थोड़ा संतरे सा रंग ले लेगा और यदि इसमें सूखे गुलमोहर के पत्ते पीस कर मिला दीजिये तो यह हरा रंग छोड़ेगा।

दो चम्मच हल्दी का पाउडर लें और इसमें दुगनी मात्रा में बेसन मिला दें, अब इसमें अमलतास या गेंदे के फूल को पीसकर मिला दें.... इससे आपको पीला रंग मिलेगा। लाल चन्दन में थोड़ा गुड़हल के फूलों को सुखाकर पीसकर मिला दें हो गया लाल रंग तैयार। बेर के फूल को सुखाकर पीसकर पानी या आटा मिला दें, इससे आपको नीला रंग मिलेगा।

टेशू या पलाश के फूलों को सुखाकर पीसकर पानी में रात भर छोड़ दें या इसे पानी में उबाल दें इससे आपको केसरिया रंग मिलेगा। चुकंदर को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर पानी में डूबा दें इसे यदि उबालेंगे तो आपको मेग्नेटा कलर मिल जाएगा।

कत्थे के चूर्ण को पानी में मिलाकर आप भूरा रंग तैयार कर सकते हैं।

आंवले को सुखाकर पानी में भिगोकर रातभर किसी बर्तन में छोड़ दें और अब इसे पानी में मिलाकर आप काला रंग तैयार कर सकते हैं, तो आप इन रंगों से वर्ष २०२० की होली को मनाएं और भी अधिक रंगीन, जो रंग रखेंगे आपके स्वास्थ्य का बेहतर ख्याल...

खेलो होली अपनों के संग, जीवन में भर दे खुशियों के रंग
होली पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

Santosh Poddar
Mob. : 9820289900

Matushree Real Estate Dev. Pvt. Ltd

B-2303/04, Garden Estate, Mahakali Mandir Marg,
Near Bangur Nagar Metro Station, Goregaon (West)
Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400104

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

गुड़ी पाडवा आया, अपने साथ नया साल लाया

'गुड़ी पाडवा' मुख्य रूप से मराठी समुदाय में बड़ी ही धूमधाम से मनाया जाता है, इस पर्व को भारत के अलग-अलग स्थानों में अलग नामों से जाना जाता है। भारत के अलग-अलग प्रदेशों में इसे उगादी, छेती चांद और युगादी जैसे कई नामों से जाना जाता है, इस दिन घरों को स्वस्तिक से सजाया जाता है, जो हिंदू धर्म में सबसे शक्तिशाली प्रतीकों में से एक है, यह स्वास्तिक हल्दी और सिंदूर से बनाया जाता है, इस दिन महिलाएं प्रवेश द्वार को कई अन्य तरीकों से सजाती हैं और रंगोली बनाती हैं, माना जाता है कि घर में रंगोली नकारात्मकता को दूर करती है। 'मेरा राजस्थान' के प्रबुद्ध पाठकों को बताते हैं कि 'गुड़ी पाडवा' के इतिहास और इससे जुड़े कुछ रोचक तथ्यों के बारे में:

'गुडी पाडवा' का महत्व

'गुडी पाडवा' को अलग-अलग जगहों पर अलग रूपों में चिन्हित किया गया है, कई जगह इसे नए साल की शुरुआत के रूप में मनाया जाता है, ऐसा माना जाता है कि इसी दिन सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा ने ब्रह्मांड की रचना की थी, एक मान्यता के अनुसार सतयुग की शुरुआत भी इसी दिन से हुई थी, महाराष्ट्र में इसे मनाने का कारण मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज की युद्ध में विजय से है, माना जाता है कि उनके युद्ध में विजयी होने के बाद से ही 'गुडी पाडवा' का त्योहार मनाया जाने लगा। 'गुडी पाडवा' को रबी की फसलों की कटाई का प्रतीक भी माना जाता है।

'गुडी पाडवा' का अर्थ

'गुडी पाडवा' नाम दो शब्दों से बना है- 'गुडी', जिसका अर्थ है भगवान ब्रह्मा का ध्वज या प्रतीक और 'पाडवा' जिसका अर्थ है चंद्रमा के चरण का पहला दिन, इस त्योहार के बाद रबी की फसल काटी जाती है क्योंकि यह वसंत ऋतु के आगमन का भी प्रतीक है। 'गुडी पाडवा' में 'गुडी' शब्द का एक अर्थ 'विजय पताका' से भी है और 'पाडवा' का अर्थ प्रतिपदा तिथि है, यह त्यौहार चैत्र

शेष पृष्ठ १९ पर...

होली के इस त्यौहार में छिपा है मिठास,
रंग और गुलाल में छिपा हैं ढेर सारा प्यार होली की
हार्दिक शुभकामनायें

Giridhari Lal Saraf
Mob.: 9875470067
Opp. Janta Hotel, Chowk,
Patnacity, Bihar, Bharat- 800008

होली के इस त्यौहार में छिपा है मिठास, रंग और गुलाल में छिपा हैं
ढेर सारा प्यार होली की हार्दिक शुभकामनायें

Namami Shanker Daga
Mob. : 9711406868 / 9811816868
Civil Construction &
Interior Decorators
A-32, Mansarovar Apartments, Plot-3,
Sec-5, Dwarka, New Delhi, Bharat -110075
e-mail:- nsdaga1950@gmail.com

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका
राष्ट्रमाता बनें
निवेदकः मैं भारत हूँ फाउंडेशन

पृष्ठ १८ से... (चैत्र अमावस्या की तिथि) शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि मनाया जाता है और इस मौके पर विजय के प्रतीक के रूप में 'गुडी' सजाई जाती है। ज्योतिष विद्या की मानें तो इस दिन अपने घर को सजाने और 'गुडी' फहराने से घर में सुख-समृद्धि आती है और पूरे साल खुशहाली बनी रहती है, यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक भी माना जाता है।

'गुडी पाडवा' का इतिहास

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार माना जाता है कि 'गुडी पाडवा' के दिन भगवान ब्रह्मा ने ब्रह्मांड की रचना की थी, इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि इस दिन ब्रह्मा जी ने दिन, सप्ताह, महीने और वर्षों का परिचय दिया था, उगादि को सृष्टि की रचना का पहला दिन माना जाता है और इसी वजह से 'गुडी पाडवा' पर भगवान ब्रह्मा की पूजा करने का विधान है, कुछ लोगों का यह भी मानना है कि इसी दिन भगवान श्री राम विजय प्राप्त करके वापस अयोध्या लौटे थे, इसलिए यह विजय पर्व का प्रतीक भी है।

'गुडी पाडवा' की पूजन विधि क्या है?

इस पावन दिन के अवसर पर लोग सुबह उठकर बेसन का उबटन और तेल लगाते हैं और इसके बाद वह प्रातःकाल ही स्नान करते हैं, जिस स्थान पर लोग 'गुडी पाडवा' की पूजा करते हैं, उस स्थान को बहुत ही अच्छी तरह से स्वच्छ एवं शुद्ध किया जाता है, इसके बाद लोग संकल्प लेते हैं और साफ किए गए स्थान के ऊपर एक स्वास्तिक का निर्माण करते हैं और इसके बाद बालों की विधि का भी निर्माण किया करते हैं, इतना करने के बाद सफेद रंग का कपड़ा बिछाकर हल्दी-कुमकुम से उसे रंगते हैं और उसके बाद अष्टदल बनाकर ब्रह्मा जी की मूर्ति को भी स्थापित किया जाता है और फिर विधिवत रूप से पूजा अर्चना की जाती है।

आखिर में लोग 'गुडी' यानी की एक झंडे का निर्माण कर उसको उस पूजन स्थल पर स्थापित करते हैं।

होली का त्योहार, रंगों का त्योहार, मिलकर मनाएं,
खुशियों का त्योहार हम मिलकर मनाएं होली का त्योहार

Ramesh Saraogi
Anil Saraogi

Saraogi

SARAOGI UDYOG PRIVATE LIMITED

Importer, Merchants &
Handling Agents for Coal and Coke

21, Hemant Basu Sarani, "Centre Point"
Suit No. 212, 2nd Floor, Kolkata, West Bengal-700001
Ph. +91-33-22481333 / 0674, +91-33-22138779 / 80 / 81
Fax: +91-33-22435334, +91-33-22138782
E-mail: info@saraogiudyog.com

होली के इस त्यौहार में छिपा है मिठास,
रंग और गुलाल में छिपा हैं ढेर सारा प्यार होली की
हार्दिक शुभकामनायें

Anil Kumar Banthia
Real Estate Consultant
Mob: 98301 67598

15A, Hare Street Ground Floor Kolkata, Bharat- 700 001
vapbanthia@rediffmail.com

आस्था और प्रेम का उत्सव गणगौर

'गणगौर' राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश के निमाड़, मालवा, बुंदेलखण्ड और

ब्रज क्षेत्रों का त्यौहार है जो चैत्र महीने की शुक्ल पक्ष की तृतीया (तीज) को आता है, इस दिन कुँवारी लड़कियाँ एवं विवाहित महिलाएँ शिवजी (इसर जी) और पार्वती जी (गौरी) की पूजा करती हैं। पूजा करते हुए दूब से पानी के छींटे देते हुए 'गोर गोर गोमती' गीत गाती हैं, इस दिन पूजन के समय रेणुका की गौर बनाकर उस पर महावर, सिन्दूर और चूड़ी चढ़ाने का विशेष प्रावधान है, चन्दन, अक्षत, धूपबत्ती, दीप, नैवेद्य से पूजन करके भोग लगाया जाता है।

गण (शिव) तथा गौर (पार्वती) के इस पर्व में कुँवारी लड़कियाँ मनपसन्द वर पाने की कामना करती हैं। विवाहित महिलायें चैत्र शुक्ल तृतीया को गणगौर पूजन तथा व्रत कर अपने पति की दीर्घायु की कामना करती हैं।

होलिका दहन के दूसरे दिन चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से चैत्र शुक्ल तृतीया तक, १८ दिनों तक चलने वाला त्योहार 'गणगौर' माना जाता है, माता गवरजा होली के दूसरे दिन अपने पीहर आती हैं तथा अठारह दिनों के बाद ईसर (भगवान शिव) उन्हें फिर लेने के लिए आते हैं, चैत्र शुक्ल तृतीया को उनकी विदाई होती है।

'गणगौर' की पूजा में गाये जाने वाले लोकगीत इस अनूठे पर्व की आत्मा हैं, इस पर्व में गवरजा और ईसर की बड़ी बहन और जीजाजी के रूप में गीतों के माध्यम

से पूजा होती है तथा उन गीतों के उपरांत अपने परिजनों के नाम लिए जाते हैं। राजस्थान के कई प्रदेशों में गणगौर पूजन एक आवश्यक **शेष पृष्ठ २१ पर...**

उल्लास, आनंद, उमंग और भाईचारे के
साथ जीवन व्यतीत करें
होली पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

DINESH KANORIA
Chairman

KANORIA
CHEMBOND PRIVATE LIMITED

MANUFATURING AND EXPORTER OF POLYESTER RESIN, SATURATED, UNSATURATED, PURE PHENOLIC RESIN, ALKYL PHENOLIC RESIN

➤ Office ➤
906, Unique Tower, Gaiwadi Industrial Estate, Off S.V. Road, Goregaon West, Mumbai, Maharashtra, Bharat 400062 Ph: +91 22 28776126
TelFax : +91 22 66963120 Email: resin@kanorias.com Web: www.kanorias.com

➤ Factory ➤
40/1/1, Alman Village Road, Off Wada Manor Road, Village Varle, Wada, Dist. Thane, Maharashtra, Bharat - 421303

होली का त्योहार, रंगों का त्योहार, मिलकर मनाएं,
खुशियों का त्यौहार हम मिलकर मनाएं होली का त्यौहार

Chandraprakash Gopiram Jejani

Jejani Waste Paper Suppliers
WASTE PAPER & OTHER RAW MATERIALS SUPPLIERS

8 Chandak Compound, Ghat Road,
Nagpur, Maharashtra, Bharat- 440018
Ph.: 0712-2725104 / Mob.: 09422101280

भारत को भारत ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

पृष्ठ २० से... वैवाहिक रीत के रूप में भी प्रचलित है।

गणगौर पूजन में कन्याएँ और महिलाएँ अपने लिए अखण्ड सौभाग्य, अपने पीहर और ससुराल की समृद्धि तथा गणगौर से प्रतिवर्ष फिर से आने का आग्रह करती हैं।

गणगौर व्रत कथा

एक समय की बात है भगवान शंकर, माता पार्वती एवं नारद जी के साथ भ्रमण हेतु चल दिए। चलते-चलते चैत्र शुक्ल तृतीया को एक गांव में पहुंचे, उनका आना सुनकर ग्राम की निर्धन स्त्रियां उनके स्वागत के लिए थालियों में हल्दी व अक्षत लेकर पूजन हेतु तुरंत पहुंच गई, पार्वती जी ने उनके पूजा भाव को समझकर सारा सुहाग रस उन पर छिड़क दिया, वे अटल सुहाग प्राप्त कर लौटी।

थोड़ी देर उपरांत धनी वर्ग की स्त्रियां अनेक प्रकार के पकवान सोने-चांदी के थाली में सजाकर सोलह श्रृंगार करके शिव और पार्वती के सामने पहुंचा, इन स्त्रियों को देखकर भगवान शंकर ने पार्वती से कहा तुमने सारा सुहाग रस तो निर्धन वर्ग की स्त्रियों को ही दे दिया, अब इन्हें क्या दोगी? पार्वती जी बोली प्राणनाथ! उन स्त्रियों को ऊपरी पदार्थों से निर्मित रस दिया गया है, इसलिए उनका सुहाग धोती से रहेगा, किन्तु मैं इन धनी वर्ग की स्त्रियों को अपनी अंगुली चीरकर रक्त का सुहाग रख दूंगी, इससे वो मेरे सामान सौभाग्यवती हो जाएंगी, जब इन स्त्रियों ने शिव पार्वती पूजन समाप्त कर लिया, तब पार्वती जी ने अपनी अंगुली चीर कर अपने रक्त को उनके ऊपर छिड़क दिया, जिस पर जैसे छींटे पड़े उसने वैसा ही सुहाग पा लिया। पार्वती जी ने कहा तुम सब वस्त्र आभूषणों का परित्याग कर, माया मोह से रहित होओ और तन, मन, धन से पति की सेवा करो, तुम्हें अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होगी, इसके उपरांत पार्वती जी भगवान शंकर से आज्ञा लेकर नदी में स्नान करने चली गई, स्नान करने के पश्चात बालू से शिवजी की मूर्ति बनाकर पूजन किया, भोग लगाया तथा प्रदक्षिणा करके दो कणों का प्रसाद ग्रहण कर मस्तक पर टीका लगाया, उसी समय उस पार्थिव लिंग से शिवजी प्रकट हुए तथा पार्वती को वरदान दिया, आज के दिन जो स्त्री मेरा पूजन और तुम्हारा व्रत करेगी, उसका पति चिरंजीवी रहेगा तथा मोक्ष को प्राप्त होगा। भगवान शिव यह वरदान देकर अंर्तध्यान हो गए, इतना सब करते-करते पार्वती जी को बहुत समय लग गया। पार्वती जी नदी के तट से चलकर उस स्थान पर आई, जहां पर भगवान शंकर व नारद जी को छोड़कर गई थी।

शिवजी ने विलंब से आने का कारण पूछा तो इस पर पार्वती जी बोली मेरे भाई भावज नदी किनारे मिल गए थे, उन्होंने मुझसे दूध भात खाने तथा रुकने का आग्रह किया।

गणगौर नृत्य

'गणगौर' राजस्थान एवं मध्यप्रदेश का प्रसिद्ध लोक नृत्य है, इस नृत्य में कन्याएँ एक दूसरे का हाथ पकडे वृत्ताकर घेरे में गौरी माँ से अपने पति की दीर्घायु की प्रार्थना करती हुईं नृत्य करती हैं, इस नृत्य के गीतों का विषय शिव-पार्वती, ब्रह्मा-सावित्री तथा विष्णु-लक्ष्मी की प्रशंसा से भरा होता है, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर और जयपुर को छोड़कर राजस्थान के कई नगरों की प्राचीन परम्परा है। गणगौर नृत्य मध्य प्रदेश के निमाड़ अंचल का प्रमुख नृत्य है।

गणगौर पर्व का इतिहास

'गणगौर' पर्व को राजस्थान और मालवा की शान भी कहा जाता है, इस विषय में कोई विशेष साक्ष्य नहीं मिलता कि आखिर 'गणगौर' पर्व की शुरुआत कैसे हुई, इस पर्व को लेकर कई सारी कथाएं प्रचलित हैं, इसी में से एक कथा है शिव-पार्वती के भ्रमण की, जिसका वर्णन उपरोक्त पंक्तियों में किया गया है, इस पर्व को विवाहित तथा अविवाहित दोनों प्रकार की ही महिलाओं द्वारा काफी श्रद्धा भाव के साथ मनाया जाता है, इस पर्व में स्थानीय परंपरा की छटा देखने को मिलती है, जिससे इस बात का पता चलता है कि समय के साथ इस पर्व में कई सारे परिवर्तन हुए हैं, अपने विशेष रीती-रिवाज के कारण यह पर्व आम लोगों में काफी लोकप्रिय हैं, पर्व हमें इस बात का अहसास दिलाता है, हमें अपने जीवन में दिखावे और लोभ से दूर रहते हुए सादगी के साथ ईश्वर की पूजा करनी चाहिए।

होली के इस त्यौहार में छिपा है मिठास,
रंग और गुलाल में छिपा हैं ढेर सारा प्यार
होली की हार्दिक शुभकामनायें

MAA HLA GROUP

M/S. B. HIMMATLAL AGRAWAL PVT. LTD.

71/A, Krishna House, S.T. Bus Stand Road,
Ganeshpeth, Nagpur, Maharastra, Bharat-440 018
Mob.: 8432105336,9764105336

रंगबिरंगा त्योहार होली

'होली' वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय और नेपाली लोगों का त्यौहार है, यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है।

'होली' रंगों का तथा हँसी-खुशी का त्योहार है, यह भारत का एक प्रमुख और प्रसिद्ध त्योहार है, जो आज विश्वभर में मनाया जाने लगा है। रंगों का त्यौहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है, यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता है, यह त्यौहार कई अन्य देशों, जिनमें अल्पसंख्यक सनातनी लोग रहते हैं वहाँ भी धूम-धाम के साथ मनाया जाता है, पहले दिन को होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते है, दूसरे दिन, जिसे प्रमुखतः धुलेंडी व धुरड्डी, धुरखेल या धूलिवंदन इसके अन्य नाम हैं, लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं, ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है, माना जाता है कि 'होली' के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं, एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है, इसके बाद स्नान कर के विश्राम करने के बाद नए कपड़े पहन कर शाम को लोग एक दूसरे के घर मिलने जाते हैं, गले मिलते हैं और मिठाइयाँ खिलाते हैं।

राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व वसंत का संदेशवाहक भी है, राग अर्थात संगीत और रंग तो इसके प्रमुख अंग है ही, पर इनको उत्कर्ष तक पहुँचाने वाली प्रकृति भी इस समय रंग-बिरंगे यौवन के साथ अपनी चरम अवस्था पर होती है। फाल्गुन माह में मनाए जाने के कारण इसे फाल्गुनी भी कहते हैं। 'होली' का त्यौहार वसंत पंचमी से ही **शेष पृष्ठ २३ पर...**

खेलो होली अपनों के संग, जीवन में भर दे खुशियों के रंग
होली पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

MEWAR UNIVERSITY
(A University u/s 2(f) of the UGC Act. 1956: Established by Govt. of Rajasthan Act No.4 of 2009 with the right to confer degree u/s 22(1) of the UGC Act)

National Highway No, 79, Gangrar, Dist. Chittorgarh, Rajasthan, Bharat-312901
दूरध्वनि : 01471-220881 / 2 / 3, 2911148 / 58
अणुडाक : www.mewaruniversity.org
मो. 09414109048, 09891029293, 09414109106
भारत को भारत ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

भारतीय संस्कृति का परम पावन त्यौहार, होली पर्व पर
हार्दिक शुभकामनाएं

Surendra Gadia
Mob. :9322224958

Dwarkadas Omprakash
SURENDRAKUMAR AJAYKUMAR & Co.

DEALING IN ALL KINDS OF FABRIC & APPARELS

Jaihind Bldg , 1/A, 3Rd Floor, R No 1A, Bhuleshwar, Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400 002
Off. 022-66336712 /40055373
Email:- dwarkadas.omprakash@gmail.com

पृष्ठ २२ से... आरंभ हो जाता है, इसी दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है, इस दिन से फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं। खेतों में गेहूँ की बालियाँ इठलाने लगती हैं। बच्चे-बूढ़े सभी व्यक्ति सब कुछ संकोच और रूढ़ियाँ भूलकर ढोलक-झाँझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं, चारों तरफ़ रंगों की फुहार फूट पड़ती है। गुझिया 'होली' का प्रमुख पकवान है जो कि मावा (खोया) और मैदा से बनती है और मेवाओं से युक्त होती है, इस दिन कांजी के बड़े खाने व खिलाने का भी रिवाज है, नए कपड़े पहन कर 'होली' की शाम को लोग एक दूसरे के घर होली मिलने जाते हैं जहाँ उनका स्वागत गुझिया, नमकीन व ठंडाई से किया जाता है। 'होली' के दिन आम्र मंजरी तथा चंदन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है।

होलिका दहन की मुख्य कथा

'होली' से सम्बन्धित मुख्य कथा के अनुसार एक नगर में हिरण्यकश्यप नाम का दानव राजा रहता था, वह सभी को अपनी पूजा करने को कहता था, लेकिन उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का उपासक भक्त था। हिरण्यकश्यप ने भक्त प्रहलाद को बुलाकर भगवान का नाम न जपने को कहा तो प्रहलाद ने स्पष्ट रूप से कहा, पिताजी! परमात्मा ही समर्थ है, प्रत्येक कष्ट से परमात्मा ही बचा सकता है, मानव समर्थ नहीं है, यदि कोई भक्त साधना करके कुछ शक्ति परमात्मा से प्राप्त कर लेता है तो वह सामान्य व्यक्तियों में तो उत्तम हो जाता है, परंतु परमात्मा से उत्तम नहीं हो सकता,

यह बात सुनकर अहंकारी हिरण्यकश्यप क्रोध से लाल पीला हो गया और सिपाहियों से बोला कि इसको ले जाओ मेरी आँखों के सामने से और जंगल में सर्पों में डाल आओ। सर्प के डसने से यह मर जाएगा, ऐसा ही किया गया, परंतु प्रहलाद मरा नहीं, क्योंकि सर्पों ने डसा ही नहीं।

प्रह्लाद की कथा के अतिरिक्त यह पर्व राक्षसी ढुंढी, राधा कृष्ण के रास और कामदेव के पुनर्जन्म से भी जुड़ा हुआ है, कुछ लोगों का मानना है कि 'होली' में रंग लगाकर, नाच-गाकर लोग शिव के गणों का वेश धारण करते हैं तथा शिव की बारात का दृश्य बनाते हैं, कुछ लोगों का यह भी मानना है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इस दिन पूतना नामक राक्षसी का वध किया था, इसी खुशी में गोपियों और ग्वालों ने रासलीला की और रंग खेला था।

परंपराएँ: 'होली' के पर्व की तरह इसकी परंपराएँ भी अत्यंत प्राचीन हैं और इसका स्वरूप और उद्देश्य समय के साथ बदलता रहा है। प्राचीन काल में यह विवाहित महिलाओं द्वारा परिवार की सुख समृद्धि के लिए मनाया जाता था और पूर्ण चंद्र की पूजा करने की परंपरा थी। वैदिक काल में इस पर्व को नवात्रैष्टि

यज्ञ कहा जाता था, उस समय खेत के अधपके अन्न को यज्ञ में दान करके प्रसाद लेने का विधान समाज में व्याप्त था, अन्न को 'होला' कहते हैं, इसी से इसका नाम होलिकोत्सव पड़ा, भारतीय ज्योतिष के अनुसार चैत्र शुदी प्रतिपदा के दिन से नववर्ष का भी आरंभ माना जाता है, इस उत्सव के बाद ही चैत्र महीने का आरंभ होता है, अतः यह पर्व नवसंवत का आरंभ तथा वसंतागमन का प्रतीक भी है, इसी दिन प्रथम पुरुष मनु का जन्म हुआ था, इस कारण इसे मन्वादितिथि कहते हैं।

'होली' का पहला काम झंडा या डंडा गाड़ना होता है, इसे किसी सार्वजनिक स्थल या घर के आहाते में गाड़ा जाता है, इसके पास ही होलिका की अग्नि इकट्ठी की जाती है, 'होली' से काफ़ी दिन पहले से ही यह सब तैयारियाँ शुरू हो जाती हैं, पर्व का पहला दिन होलिका दहन का दिन कहलाता है, इस दिन चौराहों पर व जहाँ कहीं अग्नि के लिए लकड़ी एकत्र की गई होती है, वहाँ 'होली' जलाई जाती है, इसमें लकड़ियाँ और उपले **शेष पृष्ठ २४ पर...**

होली के इस त्यौहार में छिपा है मिठास,
रंग और गुलाल में छिपा हैं ढेर सारा प्यार

Kamal
COTSPIN PVT. LTD.

A Group well established
"Lath Bhai Group"
in Textiles for over 50 Years.

"Ginning, Spinning, Sizing, Weaving, Processing..."

Corporate Office: Kamal Cotspin Pvt. Ltd
Shah Bazzar, Burhanpur, Madhya Pradesh, Bharat-450331
Tel: 07325-255203,
email: sales@kamalcotspin.com

भारत को भारत ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

पृष्ठ २३ से... प्रमुख रूप से होते हैं, कई स्थलों पर होलिका में 'भरभोलिए' जलाने की भी परंपरा है, 'भरभोलिए' गाय के गोबर से बने ऐसे उपले होते हैं जिनके बीच में छेद होता है, इस छेद में मूँज की रस्सी डाल कर माला बनाई जाती है, एक माला में सात 'भरभोलिए' होते हैं। 'होली' में आग लगाने से पहले इस माला को भाइयों के सिर के ऊपर से सात बार घूमा कर फेंक दिया जाता है, रात को होलिका दहन के समय यह माला होलिका के साथ जला दी जाती है, इसका यह आशय है कि होली के साथ भाइयों पर लगी बुरी नज़र भी जल जाए। लकड़ियों व उपलों से बनी इस होली का दोपहर से ही विधिवत पूजन आरंभ हो जाता है। घरों में बने पकवानों का यहाँ भोग लगाया जाता है, दिन ढलने पर ज्योतिषियों द्वारा निकाले मुहूर्त पर होली का दहन किया जाता है, इस आग में नई फसल की गेहूँ की बालियों और चने के होले को भी भूना जाता है। 'होलिका' का दहन समाज की समस्त बुराइयों के अंत का प्रतीक है, यह बुराइयों पर अच्छाइयों की विजय का सूचक है, गाँवों में लोग देर रात तक 'होली' के गीत गाते हैं तथा नाचते हैं।

'होली' से अगला दिन 'धूलिवंदन' कहलाता है, इस दिन लोग रंगों से खेलते हैं। सुबह होते ही सब अपने मित्रों और रिश्तेदारों से मिलने निकल पड़ते हैं। गुलाल और रंगों से सबका स्वागत किया जाता है, लोग अपनी ईर्ष्या-द्वेष की भावना भुलाकर प्रेमपूर्वक गले मिलते हैं तथा एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, इस दिन जगह-जगह टोलियाँ रंग-बिरंगे कपड़े पहने नाचती-गाती दिखाई पड़ती हैं। बच्चे पिचकारियों से रंग छोड़कर अपना मनोरंजन करते हैं। सारा समाज 'होली' के रंग में रंगकर एक-सा बन जाता है। रंग खेलने के बाद दोपहर तक लोग नहाते हैं और शाम को नए वस्त्र पहनकर सबसे मिलने जाते हैं। प्रीति भोज तथा गाने-बजाने के कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

'होली' के दिन घरों में खीर, पूरी और पूड़े आदि विभिन्न व्यंजन (खाद्य पदार्थ) पकाए जाते हैं। इस अवसर पर अनेक मिठाइयाँ बनाई जाती हैं जिनमें गुझियों का स्थान अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। बेसन के सेव और दही बड़े भी सामान्य रूप से उत्तर प्रदेश में रहने वाले हर परिवार में बनाए व खिलाए जाते हैं। कांजी, भांग और ठंडाई इस पर्व के विशेष पेय होते हैं, पर ये कुछ ही लोगों को भाते हैं, इस अवसर पर उत्तरी भारत के प्रायः सभी राज्यों के सरकारी कार्यालयों में अवकाश रहता है, पर दक्षिण भारत में उतना लोकप्रिय न होने की वज़ह से इस दिन सरकारी संस्थानों में अवकाश नहीं रहता।

विशिष्ट उत्सव

भारत में 'होली' का उत्सव अलग-अलग प्रदेशों में भिन्नता के साथ मनाया जाता

है। ब्रज की होली आज भी सारे देश के आकर्षण का **शेष पृष्ठ २५ पर...**

होली का त्योहार, रंगों का त्योहार, मिलकर मनाएं,
खुशियों का त्यौहार हम मिलकर मनाएं होली का त्यौहार

Prof. Dr. Rajendra M. Saraogi
MD, FCPS, FICOG, DGO

Dr. Mohit R. Saraogi
MD, DNB, FCPS, MNAMS, ICOG

Dr. (Ms) Rashmi R. Saraogi
MD

Dr. (Ms) Roopa M. Saraogi
MD, DNB, MNAMS

TIMES LEADING ICONS 2019 MUMBAI

Gynaecologist, Laparoscopist & IVF Specialist

Saraogi Maternity & Gen-Hospital
&
Iris IVF Centre (Since 45 Years)

Khetan Apartment, S.V. Road, Malad West,
Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400064
Ph: 9820946689, 022-28804927, 022-28820277

Clinic Address : 101-102, Simplex Khushaangan Commercial,
Opposite Indian Oil Petrol Pump, S. V Road,
Malad West, Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400064
Mob. : 8108596729 / 9372179410

खेलों होली अपनों के संग,
जीवन में भर दे खुशियों के रंग
होली की हार्दिक शुभकामनायें

Raghav Didwanla
Mob: 99670 04558
Khushi Didwania
Mob: 99872 22473

BUTTON

**Unit No. C-1, Ground Floor, Synthofine Industrial Estate,
Vishweshwar Nagar, Behind Virwani Indl. Estate,
Goregaon East, Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400063**

@kaajbuttonstudio

By Appointment Only

Specialise in Men's Kurta and Bandi

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

पृष्ठ २४ से... बिंदु होती है, बरसाने की लठमार होली काफ़ी प्रसिद्ध है, इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएँ उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं, इसी प्रकार मथुरा और वृंदावन में भी १५ दिनों तक 'होली' का पर्व मनाया जाता है। कुमाऊँ की गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियाँ होती हैं, यह सब 'होली' के कई दिनों पहले शुरू हो जाता है। हरियाणा की धुलंडी में भाभी द्वारा देवर को सताए जाने की प्रथा है। बंगाल

की 'दोल जात्रा' चैतन्य महाप्रभु के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है, जुलूस निकलते हैं और गाना बजाना भी साथ रहता है, इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र की रंग पंचमी में सूखा गुलाल खेलने, गोवा के शिमगो में जुलूस निकालने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा पंजाब के होला मोहल्ला में सिक्खों द्वारा शक्ति प्रदर्शन की परंपरा है। तमिलनाडु की कमन पोडिगई मुख्य रूप से कामदेव की कथा पर आधारित वसंतोत्सव है जबकि मणिपुर के याओसांग में योंगसांग उस नन्हीं झोंपड़ी का नाम है जो पूर्णिमा के दिन प्रत्येक नगर-ग्राम में नदी अथवा सरोवर के तट पर बनाई जाती है, दक्षिण गुजरात के आदिवासियों के लिए होली सबसे बड़ा पर्व है, छत्तीसगढ़ की 'होरी' में लोक गीतों की अद्भुत परंपरा है और मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के आदिवासी इलाकों में बेहद धूमधाम से मनाया जाता है भगोरिया, जो 'होली' का ही एक रूप है। बिहार का फगुआ जम कर मौज मस्ती करने का पर्व है और नेपाल की 'होली' में इस पर धार्मिक व सांस्कृतिक रंग दिखाई देता है, इसी प्रकार विभिन्न देशों में बसे प्रवासियों तथा धार्मिक संस्थाओं जैसे इस्कॉन या वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में अलग-अलग प्रकार से 'होली' के श्रृंगार व उत्सव मनाने की परंपरा है जिसमें अनेक समानताएँ और भिन्नताएँ हैं।

होली मनाने का तरीका

'होली' की पूर्व संध्या पर यानि पूजा वाले दिन शाम को बड़ी मात्रा में होलिका दहन किया जाता है और लोग अग्नि की पूजा करते हैं। 'होली' की परिक्रमा शुभ मानी जाती है, किसी सार्वजनिक स्थल या घर के आहाते में उपले व लकड़ी से 'होली' तैयार की जाती है। 'होली' से काफ़ी दिन पहले से ही इसकी तैयारियाँ शुरू हो जाती हैं। अग्नि के लिए एकत्र सामग्री में लकड़ियाँ और उपले प्रमुख रूप से होते हैं, गाय के गोबर से बने ऐसे उपले जिनके बीच में छेद होता है जिनको गुलरी, भरभोलिए या झाल आदि कई नामों से अलग-अलग क्षेत्र में जाना जाता है, इस छेद में मूँज की रस्सी डाल कर माला बनाई जाती है।

लकड़ियों व उपलों से बनी इस 'होली' का सुबह से ही विधिवत पूजन आरंभ हो जाता

है। 'होली' के दिन घरों में खीर, पूरी और पकवान बनाए जाते हैं, घरों में बने पकवानों से भोग लगाया जाता है। दिन ढलने पर मुहूर्त के अनुसार 'होली' का दहन किया जाता है, इसी में से आग ले जाकर घरों के आंगन में रखी निजी पारिवारिक 'होली' में आग लगाई जाती है, इस आग में गेहूँ, जौ की बालियों और चने के होले को भी भूना जाता है, दूसरे दिन सुबह से ही लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि लगाते हैं, ढोल बजा कर 'होली' के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है, सुबह होते ही लोग रंगों से खेलते अपने मित्रों और रिश्तेदारों से मिलने निकल पड़ते हैं। गुलाल और रंगों से ही सबका स्वागत किया जाता है, इस दिन जगह-जगह टोलियाँ रंग-बिरंगे कपड़े पहने नाचती-गाती दिखाई पड़ती हैं। बच्चे पिचकारियों से रंग छोड़कर अपना मनोरंजन करते हैं। प्रीति भोज तथा गाने-बजाने के कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

Wishing You Happy Holi

With Best Compliments,
Venu Gopal Bajaj
Venkateshwara Paper Agencies-Bengaluru
Basavanagudi-Ashok Nagar-New Airport Road
Mob: 9449420000-9482830000-8277880000
Email: vpa123@yahoo.com

होली में अपनी त्वचा व बालों को न करें नजर अंदाज

होली में लोग इस कदर रंगों में सराबोर हो जाते हैं कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है लेकिन क्या आपको पता है कि ये रंग आपके चेहरे व बालों के लिए कितना नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए होली खेलने से पहले व बाद में आपकी त्वचा को खास ख्याल की जरूरत होती है। होली खेलने के बाद भी त्वचा बहुत रूखी हो जाती है। आइए जानें होली पर कैसे रखें अपनी त्वचा का खास ख्याल:

⇨ होली खेलने से पहले अपने हाथ-पैर, चेहरे और शरीर पर अच्छे से नारियल या सरसों का तेल या बॉडी लोशन लगा लें।

⇨ बालों को रंगों से बचाने के लिए नारियल तेल, सरसों के तेल या जैतून के तेल अच्छे से लगाएं।

⇨ रंग खेलने के बाद नहाने के लिए मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग कर सकते हैं।

⇨ त्वचा पर भिगोई हुई मुल्तानी मिट्टी लगाएं और थोड़ी देर सूखने दें, फिर उसे धो लें। इससे रंग छुड़ाने में काफी मदद मिलेगी।

⇨ संभव हो तो बालों को रंगों से बचाने के लिए बालों को ढककर होली खेलें।

⇨ होली में रंग रोमछिद्रों में चले जाते हैं ऐसे में आप चेहरे पर भाप ले। सकती हैं जिससे रोमछिद्र खुल जाएंगे और रंग आसानी से निकल जाएगा।

⇨ शरीर से रंगों को छुड़ाने के लिए सौम्य् साबुन का इस्तेमाल ही करें।

⇨ बालों से रंग निकालने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, शैंपू के बाद कंडीशनर लगाना नहीं भूलें।

⇨ रंग खेलने के बाद नहाने के लिए गर्म पानी की बजाय ठंडे पानी का इस्तेमाल करें।

⇨ रंग छुड़ाने के लिए आप उबटन का इस्तेमाल कर सकती हैं, जिससे त्वचा को कोई नुकसान नहीं होगा उबटन के लिए बेसन में नींबू व दही मिलाकर उबटन बना लें और धीरे-धीरे रगड़ें रंग आसानी से छूट जाएगा।

⇨ सिर से जितना सूखा रंग झाड़ सकते हैं, निकाल दें उसके बाद सूखे, मुलायम कपड़े से रंग साफ कर लें। रंगों को आहिस्ता से छुड़ाएं, ज्यादा जोर से रगड़ने पर त्वचा में जलन होने लगती है और अधिक रगड़ से त्वचा छिल भी जाती है।

⇨ नींबू का रस और दही मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे लगाकर रंग छुडाएं, फिर नहा लें, इससे भी रंग उतर सकता है।

⇨ नारियल के तेल या दही से त्वचा को धीरे-धीरे साफ कर सकते हैं।

⇨ बालों से रंग निकालने के लिए बेसन या दही-आंवले (एक रात पहले भिंगोकर रखे आंवले) से भी सिर धो सकते हैं, इसके बाद बालों में शैंपू करें।

⇨ नहाने के बाद त्वचा रूखी हो जाती है, ऐसे में चेहरे पर मॉइश्यराइजर और हाथ-पैरों में बॉडी लोशन लगाएं।

⇨ रंग छुड़ाने के लिए मिट्टी के तेल का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, इससे त्वचा संबंधी रोग हो सकता है।

होली के इस त्यौहार में छिपा है मिठास,
रंग और गुलाल में छिपा हैं ढेर सारा प्यार होली की
हार्दिक शुभकामनायें

मंगल चंद सगतानी
भ्रणध्वनि: ९८३२०२१४११

श्री बालाजी ट्रेड लिंक
नेहरू रोड, खालपाड़ा, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल, भारत - ७३४००५
दूरध्वनि: ९८३२०२२२८०

मंगल कैनवेसर्स
जी.टी. बिल्डिंग, नया बाजार, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल, भारत - ७३४००५
दूरध्वनि: ०३५३-७१६९७१७, ०३५३-३५६४९०२

भारत को भारत ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

होली के इस त्यौहार में छिपा है मिठास,
रंग और गुलाल में छिपा हैं ढेर सारा प्यार

होली की हार्दिक शुभकामनायें

Surendra Kumar Banthia
9331027568

Santosh Kumar Banthia
9830915634

Suresh Kumar Banthia
9830333559

Mahesh Kumar Banthia
9377294578

Naresh Kumar Banthia
9322220364

CITIZEN

CITIZEN UMBRELLA MANUFACTURERS LTD

Head Office
147, Mahatma Gandhi Road,
Kolkata, West Bengal, Bharat - 700 007
ph. 033 2268 1396

CITIZEN UMBRELLA MANUFACTURERS LTD.
Survey No. 43/P1843/P3/P2
Ghimsa Kakariya, Sanjan Umbergaon,
Valsad, Gujarat, Bharat- 396 150
Mobile: 932220364

Mumbai Office
14/16, Damodar Building,
Dr. M.B. Velkar Street, Chewool Wadi,
Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400 002
Ph. : 022-22002960/22062862

Surat Office
Road No. 55, Plot No. 5537/1,
Sachin G.I.D.C.,
Surat, Gujarat, Bharat - 394230
Ph. : 0261 - 2398 237, 9830915634

जानिए कैसे मनाएं होलाष्टक?

होलिका पूजन करने हेतु होलिका दहन वाले स्थान को गंगा जल से शुद्ध किया जाता है, फिर मोहल्ले के चौराहे पर होलिका पूजन के लिए डंडा स्थापित किया जाता है, उसमें उपले, लकड़ी एवं घास डालकर ढेर लगाया जाता है।

होलिका दहन के लिए पेड़ों से टूट कर गिरी हुई लकड़ियाँ उपयोग में ली जाती हैं तथा हर दिन इस ढेर में कुछ-कुछ लकड़ियाँ डाली जाती हैं, होलाष्टक के दिन होलिका दहन के लिए २ डंडे स्थापित किए जाते हैं, जिनमें एक को होलिका तथा दूसरे को प्रह्लाद माना जाता है।

पौराणिक शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार जिस क्षेत्र में होलिका दहन के लिए डंडा स्थापित हो जाता है, उस क्षेत्र में होलिका दहन तक कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता, इन दिनों शुभ कार्य करने पर अपशकुन होता है, इस वर्ष होलाष्टक १६ मार्च से शुरू होकर २३ मार्च तक रहेगा, इस आठ दिनों के दौरान सभी शुभ कार्य वर्जित माने गए हैं, इसके अंतर्गत २४ मार्च को होलिका दहन और २५ मार्च को धुलेंडी खेली जाएगी। प्रचलित मान्यता के अनुसार शिवजी ने अपनी तपस्या भंग करने का प्रयास करने पर कामदेव को फाल्गुन शुक्ल अष्टमी तिथि को भस्म कर दिया था।

कामदेव प्रेम के देवता माने जाते हैं, इनके भस्म होने के कारण संसार में शोक की लहर फैल गई थी।

जब कामदेव की पत्नी रति द्वारा भगवान शिव से क्षमायाचना की गई, तब शिवजी ने कामदेव को पुनर्जीवन प्रदान करने का आश्वासन दिया, इसके बाद लोगों ने खुशी मनाई। होलाष्टक का अंत धुलेंडी के साथ होने के पीछे एक कारण यह भी माना जाता है।

मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित वर्ष २०२२-२०२३ महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय सम्मान से सम्मानित,श्रीमती बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज, मुंबई एवं सीताराम देवरा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़, मुंबई का वार्षिक उत्सव 'रस फुहार' ३ फ़रवरी २०२६ को पाटकर सभागृह में सम्पन्न हुआ।

वसंत ऋतु की छाई है बहार, चले है पिचकारी, उड़े है गुलाल,
रंग बरसे नीले, हरे लाल
होली पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

VISHNU KUMAR BHAGAT
Mob: 09836894111
17-Raja Santosh Road, Alipore,
Kolkata, West Bengal, Bharat- 700027

वसंत ऋतु की छाई है बहार, चले है पिचकारी, उड़े है गुलाल,
रंग बरसे नीले, हरे लाल
होली पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

Mahendhran Bagry
Mob: 9884090100
Old 45 (No 36) Joiser Street, Nungambakkam,
Chennai, Tamil Nadu, Bharat- 600034

श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई द्वारा 'रंगोत्सव २०२६' – भव्य होली मिलन समारोह

चेन्नई: माहेश्वरी समाज के प्रमुख सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई के तत्वावधान में रविवार, 01 मार्च 2026 को अरुम्बाक्कम स्थित डी.जी. वैष्णव कॉलेज परिसर में 'रंगोत्सव 2026' होली मिलन समारोह का भव्य एवं रंगारंग आयोजन किया जाएगा, इस विशेष आयोजन में समाज के सभी वर्गों—बुजुर्ग, युवा, महिलाएँ एवं बच्चे—उत्साहपूर्वक भाग लेंगे और आपसी प्रेम, सौहार्द एवं एकता के रंगों से होली पर्व को मनाएंगे, सभा के अध्यक्ष गौरी शंकर राठी ने 'मेरा राजस्थान' पत्रिका को जानकारी देते हुए बताया कि होली भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण एवं उल्लासपूर्ण पर्व है, जो समाज में प्रेम, भाईचारे एवं आपसी सद्भाव का संदेश देता है, कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभा की सभी सहयोगी संस्थाएँ, श्री माहेश्वरी महिला मंडल, श्री माहेश्वरी स्पोर्ट्स क्लब, श्री माहेश्वरी सत्संग समिति, श्री माहेश्वरी युवा मंडल एवं श्री माहेश्वरी क्लब तैयारियों में जुटी हुई हैं, कार्यक्रम संयोजक अनुराग माहेश्वरी एवं श्री जयप्रकाश मालपानी ने बताया कि इस वर्ष 'रंगोत्सव' में पारंपरिक होली की विशेष झलक देखने को मिलेगी, विशेष रूप से राजस्थानी पारंपरिक चंग एवं रसिया का जीवंत प्रस्तुतीकरण आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेगा, जो सभी को होली की पारंपरिक संस्कृति से जोड़ने का कार्य करेगा।

भारत के अनमोल आधारस्तम्भ

नौकरी करने वाले नही, नौकरी देने वाले बनें, कहते हैं

लेफ्ट साइड से श्री. नारायण मूर्ती (इन्फोसिस), अज़ीम प्रेमजी (विप्रो), आनंद महिंद्रा (महिंद्र महिंद्र & कोटक बैंक) सोफे पर बैठे हुए रतन टाटा, पीछे मुकेश अंबानी, धीरूभाई अंबानी, गौतम अदानी..

होली का त्योहार, रंगों का त्योहार, मिलकर मनाएं,
खुशियों का त्यौहार हम मिलकर मनाएं होली का त्यौहार

होली पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

SAMIR KEDIA
Mob: 9920232952

501-502, Aparna, Central Avenue,
Santacruz West, Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400054
Mob: 9769512197

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

'शादी के बाद बेटियों के जीवन में हस्तक्षेप सीमित होना चाहिए'

कोलकाता: अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय सभागार, डकबैक हाउस में दरकते रिश्ते-टूटते संबंध, महिलाओं की भूमिका... विषय पर एक विचारोत्तेजक संगोष्ठी में वर्तमान सामाजिक परिवेश में पारिवारिक मूल्यों के क्षरण, संयुक्त परिवारों के विघटन एवं बढ़ते तलाक जैसे चिंता योग्य गंभीर विषयों पर विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज को सार्थक दिशा देने का प्रयास किया।

वक्ता के तौर पर श्रीमती रीना तुलस्यान ने कहा कि आज के समय में महिलाओं एवं युवाओं में धैर्य की कमी देखने को मिल रही है। जिस प्रकार कच्ची मिट्टी को समय रहते आकार देकर घड़ा बनाया जाता है, उसी प्रकार बच्चों के बाल्यकाल में ही उन्हें सही एवं गलत का भेद सिखाना आवश्यक है, उन्होंने कहा कि विवाह के उपरांत बेटियों को नए परिवेश में ढलने के लिए समय एवं स्वतंत्रता देना अत्यंत आवश्यक है, जिससे वे अपने नए परिवार को समझ सकें और उसमें सहजता से समाहित हो सकें।

श्रीमती रश्मि टांटिया ने कहा कि टूटते रिश्तों को बचाने के लिए बच्चों को प्रारंभ से ही उत्तम शिक्षा एवं संस्कार प्रदान करना अनिवार्य है, आज की प्रमुख समस्या बच्चों का जिद्दी स्वभाव एवं कर्म क्षेत्र के कारण परिवार से दूरी है। विषय प्रवर्तन करते हुए सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन डॉ. संजय हरलालका ने कहा कि परिवर्तनशील समय में बच्चों, युवाओं एवं महिलाओं की भावनाओं एवं अपेक्षाओं को समझना आवश्यक है।

राष्ट्रीय महामंत्री केदारनाथ गुप्ता ने संचालन करते हुए कहा कि तथाकथित आधुनिकता के इस दौर में रिश्तों में संवादहीनता, अहंकार एवं समयाभाव के कारण दूरियाँ बढ़ती जा रही हैं। महिलाएँ केवल गृहस्थी तक सीमित न होकर रिश्तों को जोड़ने वाली सूत्रधार होती हैं। यदि वे धैर्य एवं संवेदनशीलता के साथ अपनी भूमिका निभाएँ, तो बिखरते परिवारों तथा तलाक को रोका जा सकता है।

राजनीतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन डॉ. सावर धनानिया, बासुदेव अग्रवाल, नंदलाल सिंघानिया, श्रीमती सरिता लोहिया, श्रीमती सुनीता हरलालका एवं श्रीमती सुमित्रा धनानिया ने भी अपने विचार रखे

इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल सहित अजय नांगलिया, सीताराम अग्रवाल, गोपाल प्र. झुनझुनवाला, संदीप सेक्सरिया, पियुष क्याल, सज्जन बेरीवाल, सांवरमल शर्मा, श्रीमती सुमन तुलस्यान, प्रदीप गुप्ता, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, रमेश कुमार शोभासरिया, गौतम सराफ, शशि अग्रवाल, जय शुक्ला, पी.के.दीवान, सुरेश कुमार शर्मा सहित जूम के माध्यम से बिहार से महेश जालान, दिल्ली से सज्जन शर्मा, महाराष्ट्र से सुदेश करवा, कर्नाटक से शिव कुमार टेकरीवाल, श्रीमती उर्मिला बंका, अशोक केडिया, ओम प्रकाश बिहानी, अशोक लाडिया, अंशुमन जाजोदिया, प्रमोद पाटोदिया, कमल कुमार बैद, सौरभ गुप्ता, ओम अग्रवाल एवं राजेंद्र कलानी सहित अनेक गणमान्य सदस्य संगोष्ठी में उपस्थित थे।

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम
Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

होली के अवसर पर आर.आर. अग्रवाल ज्वेलर्स की न्यू मल्टी कलर ज्वेलरी का इंट्रोड्यूस किया

कोलकता: रंगों, उल्लास और आपसी सौहार्द का पर्व होली समाज में प्रेम, भाईचारे और सकारात्मक सोच का संदेश देता है, इस अवसर पर शहर की प्रतिष्ठित आर.आर. अग्रवाल ज्वेलर्स ने सभी पाठ कों एवं ग्राहकों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं, और एक नया कलेक्शन जिसमें की रेड कलर के मानक, ग्रीन कलर के पन्ना एवं मल्टी कलर पुखराज और भी कई कलर की ज्वेलरी लॉन्च की है जिसको कस्टमर काफी पसंद कर रहे हैं। कंपनी के अनुसार, होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि रिश्तों को मजबूत करने और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का प्रतीक है। आर.आर. अग्रवाल ज्वेलर्स पिछले 5 दशकों से अपने ग्राहकों के साथ विश्वास और पारदर्शिता के मूल्यों पर आधारित 'रिश्ता भरोसे का' निभाता आ रहा है, वर्तमान समय में स्वर्ण एवं हीरा आभूषणों के बाजार को लेकर सकारात्मक रुझान देखने को मिल रहा है। ग्राहक आज गुणवत्ता, शुद्धता और प्रमाणिकता को प्राथमिकता दे रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, सोने और हीरे की ज्वेलरी न केवल पारंपरिक सौंदर्य का प्रतीक है, बल्कि सुरक्षित और दीर्घकालिक निवेश के रूप में भी अपनी मजबूत पहचान बनाए हुए है। आधुनिक डिज़ाइनों और पारंपरिक कारीगरी के संयोजन से ज्वेलरी उद्योग में नई संभावनाएँ सामने आ रही हैं।

आर.आर. अग्रवाल ज्वेलर्स के निदेशक रतन लाल अग्रवाल एवं श्री रेवती रमण अग्रवाल के मार्गदर्शन में संस्था निरंतर प्रगति कर रही है। वहीं युवा पीढ़ी का प्रतिनिधित्व कर रहे ऋषभ अग्रवाल नए विचारों और आधुनिक दृष्टिकोण के साथ संस्था को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। संस्था की ओर से यह भी कहा गया कि हमारा उद्देश्य केवल आभूषण बेचना नहीं, बल्कि ग्राहकों के जीवन के महत्वपूर्ण पलों से जुड़कर विश्वास का रिश्ता बनाना है।

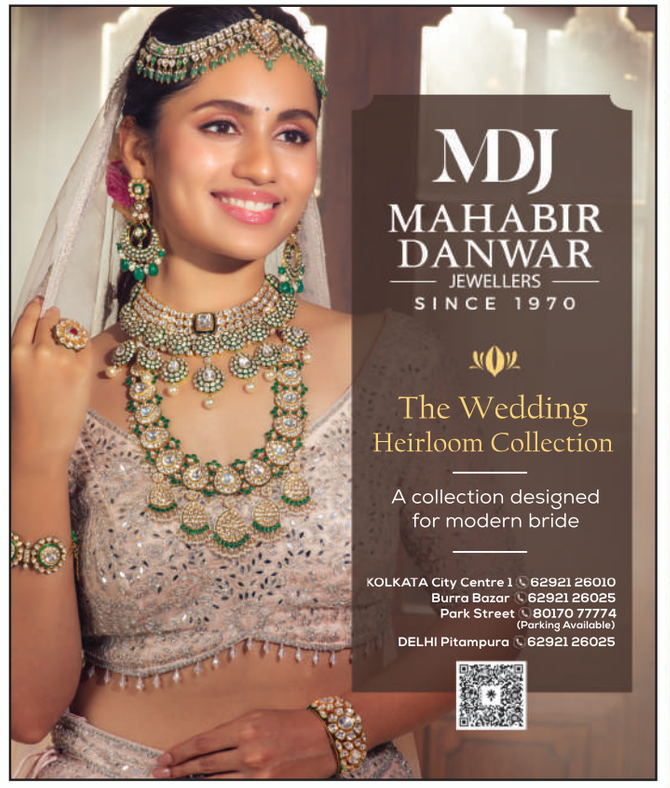

पूर्णाहुति के साथ दिया गया श्रीमद ब्रज भागवत कथा को विश्राम
आजाद मैदान पर श्री ब्रज मंडल मुंबई का स्वर्ण जयंती महोत्सव
कथा श्रवण से धुलते हैं जन्म जन्मांतर के पाप : पुंडरीक गोस्वामी

मुंबई: ब्रजवासियों की प्रमुख संस्था, श्री ब्रज मंडल मुंबई की स्थापना के ५० वर्ष पूर्ण होने एवं स्वर्ण जयंती महोत्सव पर आयोजित श्रीमद ब्रज भागवत कथा ने अंतिम दिन पूर्णाहुति के साथ विश्राम लिया। दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान पर वृंदावन धाम के पूज्य पुंडरीक गोस्वामी महाराज के व्यासत्व में मुंबई में पहली बार आयोजित श्रीमद ब्रज भागवत कथा में प्रतिदिन दस हजार से अधिक श्रोता जुटे। व्यासपीठ से पूज्य पुंडरीक गोस्वामी महाराज ने कहा कि श्रीमद ब्रज भागवत कथा के श्रवण मात्र से मनुष्य के जन्म जन्मांतर के पाप जल जाते है, इसलिए संतों ने श्रीमद्भागवत को पतित पावनी कहा है।

संस्था के ट्रस्टी सुरेश चंद्र अग्रवाल कानबिहारी अग्रवाल, प्रदीप लाड़ीवाल, रमन लाल चौधरी, अनिल अग्रवाल, ब्रजकिशोर अग्रवाल, राजेश मित्तल, गौरव शर्मा, उदेश अग्रवाल, भुवनेश अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, उमेश मित्तल, धर्मेश गर्ग, राजीव अग्रवाल, देवेंद्र अग्रवाल, पवन अग्रवाल, गिरधर अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

(फार्म नं.- 4 नियम 8)

अखबारों के पंजीकरण केंद्रीय नियम 1956 के नियम के तहत
'मेरा राजस्थान' मुंबई के स्वामित्व और अन्य विवरण के बारे में घोषणा।

1) प्रकाशन का स्थान	: गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्रा. लि. बी- 217, हिन्द सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई - 400059
2) प्रकाशन की अवधि	: मासिक
3) मुद्रक का नाम	: विनय ग्राफिक्स, कोंडिविटा
क्या भारतीय नागरिक हैं?	: हाँ
4) सम्पादक का नाम	: बिजय कुमार जैन
क्या भारतीय नागरिक है?	: हाँ
पता	: बी - 217, हिन्द सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई - 400059

5) इस समाचार पत्र के स्वामी व सहभागी जिनका सहभाग एक प्रतिशत से ज्यादा हो उनका नाम व पता

1) बिजय कुमार जैन	
पता	: बी - 217, हिन्द सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई - 400059
2) श्रीमती संतोष जैन	
पता	: बी - 217, हिन्द सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई - 400059

मैं बिजय कुमार जैन, गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए घोषणा करता हूँ कि मेरी जानकारी और विश्वास के मुताबिक ऊपर लिखित विवरण सही है।
बिजय कुमार जैन
प्रकाशक के हस्ताक्षर
तारीख 28 फरवरी 2026

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

Le Merite
Une Marque Riche en Qualité

LE MERITE EXPORTS LIMITED

MANUFACTURER & EXPORTER OF YARN & FABRIC

GOVERNMENT RECOGNIZED 3-STAR EXPORT HOUSE

ABOUT US

Le Merite Exports Ltd is a leading yarn & greige fabric manufacturing company that is trusted all over the world for its quality products.

YARNS

- Open End - Ne 6/1 - Ne 24/1
- Carded/Carded Compact - Ne 8/1 to Ne 40/1
- Combed/ Combed Compact - Ne 10/1 to Ne 80/1
- TFO (Double Yarn) - Ne 10/2 to Ne 80/2

GREIGE /FINISH FABRIC

- Poplin, Twill, Satin, Voile.
- Percale, Satin Stripes,RFD fabric for Bed-Linen
- Duck, Canvas, Half Panama fabric for industrial application & bags/ shoes manfacturing.

Our Certifications

CONTACT US

YARN
yarn@lemeriteexports.com

FABRIC
fab.exp@lemeriteexports.com

REACH US HERE
Office Address: A307,3rd Floor, Boomerang Building,
Chandivali farm rd, Mumbai - 400072

www.lemeriteexports.com

भारतीय संस्कृति का परम पावन त्यौहार होली पर हार्दिक शुभकामनाएं

With Best Compliments from

Amrit Papers Private Limited

264, Shreenagar Extension, Indore - 452018
Ph. : +91 731 4860900
Email : info@amritpapers.com

Authorised Whole Sellers :

- The West Coast Paper Mills Ltd., Dandeli (U.K.)
- Tamil Nadu Newsprint & Papers Ltd., Chennai
- Century Pulp & Paper, Lalkua
- Bilt Graphic Paper Products Ltd., Mumbai
- Shah Paper Mills Ltd., Vapi
- Satia Industries Ltd., Muktsar
- Kuantum Papers Ltd., Chandigarh
- Shreyans Industries Ltd., New Delhi
- Khanna Paper Mills Ltd., Amritsar
- Chadha Papers Ltd., Noida

Associate Concern :

- Shivganga Drillers Pvt. Ltd.
- Mosaic Workskills Pvt. Ltd.
- Aditi Enterprises Pvt. Ltd.

होली का त्योहार,
रंगों का त्योहार,
मिलकर मनाएं,
खुशियों का त्यौहार हम मिलकर
मनाएं होली का त्यौहार

Air Parcel Service LLP

Head Office: Office No-01, Laxmi Niketan Building,
1St Floor, 216 - Kalbadevi Road, Near Cotton Exchange,
Mumbai, Maharashtra, Bharat-400002
दूरध्वनि : 022-22400096, 22404337
अणुडाक : airparcelservices100@gmail.com

भारत को भारत ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

ग्राम जसवंतगढ़ के नगरसेठ भामाशाह पूज्य श्री बजरंगलाल जी तापड़िया के निधन से शोक की लहर

मुंबई: सुप्रीम इंडस्ट्रीज़ के चेयरमैन जो FOBES के Top १०० में आप गत कई वर्षों से शामिल रहे। आदरणीय सेठ बजरंग लाल जी तापड़िया का सामाजिक

सेवाओं में योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। कोरोना की महामारी के दौरान आपने ४ करोड रुपए पीएम केयर फंड में, चार करोड रुपए मुख्यमंत्री राहत कोष में दान किये। सुजला क्षेत्र की जनता की सेवा में आपने क्षेत्र की अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लगाना ऑक्सीजन कंसंट्रेटर देना यहां तक की अपने ट्रस्ट के माध्यम से हॉस्पिटलों में कर्मचारियों की नियुक्ति भी दी है, आपके सुप्रीम फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा जिन सरकारी विद्यालयों में शिक्षक नहीं है वहां पर राजस्थान भर में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। कोरोना काल में जसवंतगढ़ में जरूरतमंद परिवारों को आपके द्वारा प्रतिदिन खाने का टिफिन उपलब्ध करवाया गया था, तत्पश्चात तहसील और जिला स्तर पर जरूरतमंदों को राशन के किट भी वितरित किए गए। जसवंतगढ़ और आसपास की गौशालाओं को सदा से आपकी आर्थिक सहयोग का संरक्षण मिलता रहा है। जसवंतगढ़ और आसपास की गौशालाओं को लाखों रुपए प्रति वर्ष गौशालाओं को देकर आपने संरक्षण और गौ सेवा का अद्भुत कार्य किया।

जसवंतगढ़ के सैंकड़ों घरों में आपके द्वारा मीठे पानी के कुंड बनाकर दिए गए, जरूरतमंदों के घर शौचालय बना कर दिए गए। आर्थिक दृष्टि से जरूरतमंदों को मकान बना कर दिए। गौ सेवा, मानव सेवा, संत सेवा, तीर्थ सेवा, धाम सेवा, धर्म सेवा, जीवन में कोई आयाम अधूरा नहीं रहा, जहां आपने सेवा नहीं दी हो। जसवंतगढ़ की गलियों में बनाई गई अधिकांश रोडों का निर्माण भी आप ही के द्वारा करवाया गया है। हाल ही में आपके ९२ जन्मोत्सव पर कन्याओं का सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया, आए दिन आपके पास कोई न कोई व्यक्ति किसी ने किसी छोटी या बड़ी व्यक्तिगत या सार्वजनिक आशा लेकर जाता था और आपने कभी भी किसी को मदद देने से मना नहीं किया। हर नागरिक आपके व आपके परिवार के द्वारा दी गई सहायता व सहयोग के लिए सदैव आभारी रहेगा। ऐसे दानवीर भामाशाह, कस्बे के संरक्षक आदरणीय बजरंग लाल जी तापड़िया को 'मेरा राजस्थान' पत्रिका परिवार व माहेश्वरी समाज की तरफ से हार्दिक श्रद्धांजलि। दिवंगत पुण्य आत्मा को भगवान श्री चरणों की शरण प्रदान करें यही प्रार्थना है,

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे

प्यार के रंग से भरो पिचकारी स्नेह के रंग से रंग
दो दुनिया सारी.. होली पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

केशर चन्द पाडिया
Mob: 098300 31596
ईस्टर्न पोलीक्राफ्ट
इन्डस्ट्रीज लिमिटेड
1/1 ए, भेनसीट्राट रो, प्रथम तल्ला, कोलकाता, प.बंगाल, भारत - 700001
Ph: 033-2248-7191 | Fax: 4410 033-22483691
Email: padiakc@cal.vsnl.net.in
निवास : "लेक टावर्स" 87, साऊर्थन एवेन्यू, कोलकाता, भारत-700026

भारतीय संस्कृति का परम पावन त्यौहार, होली पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं
R.A. Kraft Paper Pvt. Ltd.
R.S. Kraft Paper Ltd.
Indenter & Importer of Papers & Boards
FIBRE IMPEX
PVT. LTD.
Importer of Recovered Paper
From Various Parts of the World
Head Office : 504, Suryakiran Complex, 1, Bajaj Nagar,
Opp. VNIT, Nagpur, Maharashtra, Bharat - 400010
Ph.: 0712-2220626, 2242412, 2249685 Fax : 0712-2243248
E-mail : info@rakraftpaper.com
Mumbai Office : Unit No. 804, 8th Floor,
Lotus Link Square, New Link Road,
Andheri West, Mumbai , Maharashtra, Bharat-400053
Ph.: 022-69455000
E-mail : mumbai@rakraftpaper.com
Website : www.rakraftpaper.com
Branches : Aurangabad | Hyderabad | Indore |
Kolhapur | Nasik | Pune | Vapi

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम
Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

भारत को 'BHARAT' ही बोलेंगे
जय भारत! जय-जय राजस्थान
Remove **INDIA** Name From The Constitution

प्रवीण कुमार केडिया
व्यवसायी व समाजसेवी
झुंझुनूं निवासी-गोपालगंज प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 7004546638

प्रवीण जी 'होली' पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि 'होली' का पर्व सद्भावना और सामाजिक समरसता का पर्व है, पहले 'होली' का पर्व लोग आपसी मतभेद को भुलाकर एक नई शुरुआत करते थे, पर अब यह परंपरा खत्म होती नजर आ रही है, लोगों की आपसी सद्भावना बिखर रही है, पश्चिमी सभ्यता का प्रभाव बढ़ रहा है, इन सब चीजों का धर्म और संस्कृति पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ रहा है, पहले महिलाएं धर्म और समाज से जुड़ी होती थी, धार्मिक क्रियाकलापों में बढ़-चढ़ कर भाग लेती थी, जिसे धार्मिकता समाज में बनी रहती थी, यह कह सकते हैं कि उनके कारण ही धर्म चल रहा था, पर अब महिलाएं भी आधुनिक परिवेश से प्रभावित हो रही हैं, जिसका प्रभाव धर्म पर बढते जा रहा है।

आज की युवा पीढ़ी का अपने त्योहार और धर्म समाज के प्रति रुझान खत्म होते जा रहा है, गांव में तो फिर भी युवा पीढ़ी जुड़ी है, पर शहरों की युवा पीढ़ी पूरी तरह से विमुख हो चुकी है। आज की युवा पीढ़ी को अपने कार्य से फुर्सत ही नहीं है तो वह धर्म और समाज को कहां से समय दे पाएंगे?

समाज फूहड़ पहनावा, टी.वी. सीरियल, फिल्मी चकाचौंध, गार्डन पार्टी, से भी बहुत प्रभावित है। इसी संदर्भ में माननीय राष्ट्रपति महोदय जी ने कहा भी है कि अंग प्रदर्शन प्रचार, फिल्म व सीरियल, इत्यादि पर नहीं दिखना चाहिए, अन्यथा कानूनी कार्यवाही की जाएगी। माननीय राष्ट्रपति महोदया जी का यह अति सराहनीय कदम है।

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए इससे अच्छी और क्या बात हो सकती है, पर यह कार्य सरकार द्वारा ही संभव हो सकता है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत', यही हमारे देश की वास्तविकता है, साथ ही हमें अपनी संस्कृति और भाषा से भी जुड़े रहना जरूरी है।

प्रवीण जी मूलतः राजस्थान के झुंझुनू जिले में स्थित 'केड' गांव के निवासी हैं। आपका जन्म व सम्पूर्ण शिक्षा बिहार के 'गोपालगंज' में संपन्न हुई है, आपका परिवार यहां लगभग १२५ वर्षों से बसा हुआ है, यहां आप ट्रेडिंग के कारोबार से से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं, मारवाड़ी सम्मेलन के आजीवन सदस्य हैं। जय गौमाता! जय भारत!

-मेरा राजस्थान

दिनेश खेतान
व्यवसायी व समाजसेवी
लोसल निवासी-पटना प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9002785318

दिनेश जी 'होली' पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि 'होली' का त्योहार सनातन संस्कृति का प्रतीक है, जो सदियों से मनाया जा रहा है। 'होली' पर्व कृष्ण भगवान को सबसे प्रिय था, आज के युवाओं में कृष्ण भगवान के प्रति आस्था बढ़ी है, उनसे जुड़े धार्मिक स्थानों पर युवाओं की भीड़ अधिक देखी जाती है, इसलिए युवाओं में होली के प्रति बहुत अधिक क्रेज देखा जा रहा है। युवा, होली का त्यौहार अलग-अलग तरीके से मनाने लगे हैं, आज की युवा पीढ़ी पानी वाले होली से बचना चाहती है, इसीलिए फूलों की होली, गुलाल की होली अधिक खेली जाती है, होली त्यौहार मनाने के बाद परंपरागत तरीकों से अपने रिश्तेदारों, बड़-बुजुर्गों से मिलना होता है। यह राजस्थानियों की संस्कृति है, जिसे हमें जीवित रखना है, इसीलिए होली या अन्य त्यौहार बड़ी ही धूमधाम से मनाए जाने चाहिए।

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म और समाज के प्रति अधिक जागरूक होने लगी है।

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, मेरे बड़े भाई साहब कोलकाता पिंजरापोल सोसाइटी के सचिव पद पर कार्यरत हैं। गाय से हमें बहुत लाभ प्राप्त होता है, हमारे लिए गाय पूजनीय है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना कि निश्चित रूप से अपने देश का नाम 'भारत' ही रहना चाहिए, मैं इस अंतर्राष्ट्रीय अभियान का पूर्ण पक्षधर हूं।

दिनेश जी मूलतः राजस्थान के सीकर जिले में स्थित 'लोसल' के निवासी है। आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा पश्चिम बंगाल में संपन्न हुई है, वर्तमान में आप 'पटना' में बसे हैं और कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन पटना के कार्यकारी सदस्य हैं। जय गौमाता! जय भारत!

-मेरा राजस्थान

अनिल कुमार बांठिया
व्यवसायी व समाजसेवी
बिकानेर निवासी-कोलकाता प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9830167598

अनिल जी 'होली' पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि होली तो खुशीयों का त्योहार है, होली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, हम अपने परिवार और दोस्तों के साथ यह त्योहार मनाते हैं, होली पर्व का हमें बेसब्री से इंतजार रहता है, हम चाहते हैं हरेक की जिदंगी में 'होली' का त्योहार खुशियों का रंग भरे, शुभ 'होली'।

आज की युवा पीढ़ी पहले से काफी धार्मिक होती जा रही है, मुझे खुशी हो रही है कि मैं खाटू वृंदावन जाता हूं, बाबा के दर्शन में युवाओ की संख्या बढती जा रही है, यह अच्छा संकेत है।

गाय माता को राष्ट्रीय गोऊ माता का सम्मान १००% मिलना चाहिए, हमारे हिसाब से कोई भी इंसान गाय माता की सेवा कर ले, निस्वार्थ भाव से, तो उसे कहीं जाने की दरकार नहीं पड़ेगी, हरेक इंसान को गाय माता को पूजना चाहिए, हर सनातनी का कर्तव्य है।

जैन समाज में एकता के लिए सबको एक पथ पर चलना होगा, एक साथ रहना होगा तभी एकता रहेगी, सबके तीर्थकर एक ही हैं, सब मिलजुल कर रहेंगे तो सेफ रहेंगे।

अनिल कुमार जी बांठिया राजस्थान के बिकानेर निवासी व कोलकाता प्रवासी हैं, आपका जन्म गोहाटी एवं शिक्षा कोलकाता में सम्पन्न हुई है, आप श्री महावीर भवन, श्री महावीर मंडल, श्री श्याम सेवादार समीती आदि कई संस्थाओं से जुड़े हैं। आपका व्यवसाय Real estate Consultant का है।

जय गौमाता! जय भारत!

-मेरा राजस्थान

संदीप कुमार सोनी
व्यवसायी व समाजसेवी
रतननगर निवासी-कोलकाता प्रवासी

संदीप जी 'होली' पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि भारत त्योहारों का देश है, जिसमें होली का पर्व एक प्रमुख त्यौहार है, इस पर्व को भारत के प्रत्येक क्षेत्र में अलग-अलग रीति-रिवाज और मान्यताओं के साथ मनाया जाता है। वृंदावन की होली सबसे प्रसिद्ध होली मानी जाती है, अपने राजस्थान में भी खेली जाने वाली होली उल्लेखनीय होती है। कोलकाता में समाज द्वारा 'होली मिलन' कार्यक्रम आयोजन बड़े ही भव्य रूप में होता है, खाने-पीने के उत्तम व्यवस्था रहती है, इस समय सबसे उत्तम मौसम होता है क्योंकि आती हुई गर्मी और जाती हुई सर्दी का समय रहता है, लोग इस समय का बहुत ही आनंद उठाते हैं।

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म और समाज से जुड़ी हुई है, वे होली-दीपावली जैसे प्रमुख पर्वों को बड़े ही उत्साह से मनाते हैं।

संदीप जी मूलतः राजस्थान के चुरू जिले में स्थित 'रतननगर' के निवासी हैं। आपका जन्म और शिक्षा 'कोलकाता' में संपन्न हुई है, यहां आप आभूषणों के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं, लायंस क्लब, रोटरी क्लब, पूर्वांचल नागरिक समिति व कोलकाता पिंजरापोल समिति जो कोलकाता की सबसे बड़ी गौशाला है, जिसमें गायों की उचित देखरेख होती है, अन्य कई संस्थानों से जुड़े हैं। जय गौमाता! जय भारत!

-मेरा राजस्थान

ललित रामपुरिया
पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मारवाड़ी युवा मंच
चूरू निवासी-अहमदाबाद प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 98444 60698

ललित जी 'होली' पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि 'होली' भारत के राष्ट्रीय त्योहार में से एक है, यह पर्व आपसी मेल-मिलाप और सद्भावना को बढ़ाने वाला पर्व है, आज भी इस पर्व का महत्व और वास्तविकता बनी हुई है, इस पर्व के माध्यम से लोगों में मेल-जोल बढ़ता है, हमारे यहां अग्रवाल समाज द्वारा 'होली मिलन' का भव्य कार्यक्रम किया जाता है, जिसमें समाज के सभी वर्ग जुड़ते हैं। भारत के हर क्षेत्र में अलग-अलग तरीके से होली मनाई जाती है और हर प्रांत का अपना महत्व है।

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म और समाज से अधिक जुड़ी हुई है, पहले की अपेक्षा उनका धर्म समाज के प्रति रुझान बढ़ा है, सिर्फ इसका स्वरूप बदल गया है पहले लोग घरों में खेत-खलियानों में या मैदानों में होली खेलते थे, आज क्लब और रिसॉर्ट में होली मनाई जाती है।

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि १००% अपने देश का एक ही नाम रहना चाहिए, एक नाम रहेगा तभी हमारी वास्तविक पहचान बनी रहेगी।

ललित जी मूलतः राजस्थान चूरू जिले में स्थित 'रामपुरा बेरी' के निवासी हैं। आपका जन्म और शिक्षा सिलीगुड़ी व कोलकाता में संपन्न हुई है। आप बेंगलुरु में भी बसे रहे, पिछले ५ सालों से आप 'अहमदाबाद' में बसे हैं और केमिकल फ़र्टिलाइज़र के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रीय रहते हैं, मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे हैं, मारवाड़ी युवा मंच अनुशासन समिति के कार्यकारिणी सदस्य हैं।

जय गौमाता! जय भारत!

-मेरा राजस्थान

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

सुनील गोयल

जिला अध्यक्ष अ.भा. अग्रवाल सम्मेलन कालाहांडी
भिवानी निवासी-कालाहांडी प्रवासी
भ्रमणध्वनिः 9437279132

सुनील जी 'होली' पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि 'होली' का पर्व सभी सनातनियों के लिए उत्साह और उमंग का पर्व है, जिसमें लोग आपसी द्वेष और मतभेदों को भुलाकर एक दूसरे को गुलाल लगाकर गले मिलते हैं, आपसी प्रेम और सौहार्द का वातावरण निर्माण करते है, यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, इस पर्व के माध्यम से हम अपनी संस्कृति को समझने का प्रयास करते हैं, जो हमारी भारतीयता का अहम हिस्सा है।

हमारा 'केसिंगा' जो उड़ीसा प्रांत का हिस्सा है, मारवाड़ी समाज द्वारा होलिका दहन पूरे धार्मिकता के साथ मनाया जाता है, स्थानीय निवासियों द्वारा भी फाग उत्सव खेला जाता है, यहां अग्रवाल समाज के लगभग २००० परिवार निवास करते हैं, समाज द्वारा यहां होली मिलन का कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम से और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

आज की युवा पीढ़ी भी अपने धर्म समाज से जुड़ी हुई है, वह भी धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेती हैं।

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, हमारे कालाहांडी में १०० साल पुरानी 'गोपाल गौशाला' है, जिसमें मेरे पिताजी तिलकचंद जी अध्यक्ष रह चुके हैं, मैं भी इस गौशाला से जुड़ा हूं और यथासंभव गायों की सेवा सुरक्षा के लिए प्रयत्नशील रहता हूं।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि 'भारत' हमारे देश का प्राचीन और ऐतिहासिक नाम है, यही हमारे देश के वास्तविकता है।

सुनील जी मूलतः हरियाणा स्थित 'भिवानी' के निवासी हैं। आपका जन्म व सम्पूर्ण शिक्षा उड़ीसा प्रांत के 'कालाहांडी' जिले में स्थित 'केसिंगा' तहसील में संपन्न हुई है, यहां आप कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं। अग्रवाल सभा केसिंगा के संस्थापक, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन कालाहांडी के जिला अध्यक्ष हैं और भी कई सामाजिक संगठनों से जुड़े हैं, आपके पुत्र आईपीएस ऑफिसर हैं। जय गौमाता! जय भारत!

-मेरा राजस्थान

पवन कुमार इन्द्र कुमार सारडा

सचिव भायंदर जिला माहेश्वरी सभा
बीकानेर निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनिः 9819784925

पवन जी मूलत: से राजस्थान के बीकानेर जिले में स्थित 'भीनासर' के निवासी है। आपका जन्म और शिक्षा 'बीकानेर' में ही संपन्न हुई है, उच्च शिक्षा के उद्देश्य से आप मुंबई आए और K.C. College से अपना स्नातक पूर्ण किया।

पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन सन् २००१ में दाम्पत्य जीवन में प्रवेश करते हुए मुस्कान जी को अपनी जीवन संगिनी बनाया और उसी वर्ष अपने व्यावसायिक जीवन को नई दिशा देने का संकल्प लिया। पिछले २५ वर्षों से मुंबई के भायंदर में संयुक्त परिवार के साथ निवास कर रहे हैं, जहाँ पारिवारिक संस्कार, परंपरा और सामाजिक जुड़ाव आपके जीवन का महत्वपूर्ण आधार है।

आपके पिताश्री इन्द्र कुमार जी वर्ष १९७५ से मुंबई में टेक्सटाइल क्षेत्र से जुड़े हैं, आपने अपने पिताजी के साथ व्यवसाय में कदम रखा और उनके मार्गदर्शन में व्यापार की बारीकियाँ सीखीं। सन् २००१ में कपड़ा व्यवसाय में लूम की शुरुआत की गई, निरंतर परिश्रम, गुणवत्ता और विश्वास के बल पर आज आपकी कंपनी Meghana Textiles LLP मुंबई में एक प्रतिष्ठित नाम बन चुकी है और पूरे भारतवर्ष में अपना सफल व्यापार संचालित कर रही है।

आपकी कार्यशैली पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक व्यावसायिक दृष्टिकोण का सुंदर समन्वय है।

सामाजिक योगदानः

पवन जी समाज सेवा के प्रति सदैव समर्पित रहते हैं। भायन्दर के माहेश्वरी समाज से आपका गहरा जुड़ाव है। वर्ष २०१५ में भायन्दर ज़िला माहेश्वरी युवा संगठन के सचिव, वर्ष २०२० में युवा अध्यक्ष बने, वर्ष २०२३ में भायन्दर ज़िला माहेश्वरी सभा में सचिव पद पर नियुक्त हुए। समाज के प्रति तन-मन-धन से सेवा करना आपका सदैव जुनून रहा है। आपके पिताजी श्री माहेश्वरी भवन के ट्रस्टी हैं, परोपकार एवं अनेक सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं।

पवन जी 'होली' पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि 'होली' केवल रंगों का नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारे और उल्लास का त्योहार है। हमें यह पर्व हँसी-खुशी और आपसी सद्भाव के साथ मनाना चाहिए। ठंडाई और गुजिया के संग, डफ़ की थाप पर उड़ता गुलाल, यही हमारी परंपरागत होली की सच्ची पहचान है। आज के बदलते परिवेश में हमें पक्के रंगों और रंग भरे गुब्बारों से बचना चाहिए, क्योंकि इससे स्वास्थ्य और पर्यावरण को हानि पहुँचती है।

...यह देखकर प्रसन्नता होती है कि आज की युवा पीढ़ी भी इस त्योहार में रुचि ले रही है, जब राजस्थानी गीतों की धुन पर डफ़ बजता है, तो मुंबई जैसे शहर में रहते हुए भी अपनी मरूभूमि राजस्थान की याद ताज़ा हो जाती है।'

भारत एक प्राचीन सभ्यता वाला देश है, जहाँ प्रकृति, पशु-पक्षी और समस्त सृष्टि को सम्मान देने की परंपरा रही है। गाय को भारतीय संस्कृति में सदियों से 'गौ माता' के रूप में पूजनीय माना गया है। भगवान कृष्ण का गोपाल स्वरूप इस आस्था का जीवंत उदाहरण है।

वेदों, पुराणों और धार्मिक ग्रंथों में गाय को करुणा, सेवा और पोषण का प्रतीक बताया गया है। भारतीय परिवार व्यवस्था में गाय केवल पशु नहीं, बल्कि पालन-पोषण देने वाली माता के समान मानी गई है, इसलिए 'राष्ट्रमाता' का सम्मान देना हमारी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान होगा। **शेष पृष्ठ ३८ पर...**

राष्ट्रमाता बनें
निवेदक: मैं भारत हूँ फाउंडेशन

पृष्ठ ३७ से... भारत की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में गाय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, दूध, दही, घी, गोबर और गोमूत्र जैसे उत्पाद ग्रामीण जीवन की रीढ़ हैं, जैविक खेती में गोबर खाद का उपयोग भूमि की उर्वरता बढ़ाता है, श्वेत क्रांति के बाद भारत विश्व के अग्रणी दुग्ध उत्पादक देशों में शामिल हुआ, यह भी गौ-सम्पदा की देन है। जय गौमाता! जय भारत!

-मेरा राजस्थान

अरविंद इंदौरिया

व्यवसायी व समाजसेवी

नागौर निवासी-तिरुवल्लूर प्रवासी

भ्रमणध्वनि: 9381066778

अरविंद जी 'होली' पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि 'होली' का पर्व भारतीय संस्कृति का प्रमुख त्यौहार है, जो हर सनातनी समाज द्वारा बड़ी धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया जाता है, यह पर्व आपसी भाईचारे, प्रेम व्यवहार अब बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रति के रूप में मनाया जाता है। भारत के हर क्षेत्र में यह त्यौहार अलग-अलग रुपए में मनाया जाता है, पर सभी का उद्देश्य यही है आपसी गिले-शिकवे भूलाकर एक दूसरे को गले लगाए और भाईचारे को बढ़ावा दें, पर आज शहरों में इसकी रंगत कम हो गई है, पर हमारे क्षेत्र में यह त्यौहार बड़े ही धूमधाम से समाज बंधुओं द्वारा मिलकर बनाया जाता है।

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म और संस्कृति से दूर होती जा रही है, उनका रुझान सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं पर ही टिका हुआ है, वह आधुनिक परिवेश की चकाचौंध में डूबे हैं।

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती, गाय हम सभी के लिए पूजनीय है, उनकी सेवा सुरक्षा जरूरी है। 'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहना चाहिए 'भारत', यही हमारे देश की वास्तविक पहचान है।

अरविंद जी मूलतः राजस्थान स्थित 'नागौर' के निवासी हैं। आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा तमिलनाडु के 'तिरुवल्लुरु' संपन्न हुई है, यहां आप कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं, अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के आजीवन सदस्य है, अन्य कई संस्थानों से भी जुड़े हैं। जय गौमाता! जय भारत!

-मेरा राजस्थान

शंकरलाल शर्मा

पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष मारवाड़ी युवा मंच आंध्रप्रदेश

खाटू श्याम निवासी-विशाखापट्टनम प्रवासी

भ्रमणध्वनि: ९०३२७७७७११

शंकरलाल जी 'होली' पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि 'होली' पर्व भारत व सनातन धर्म का प्रमुख त्यौहार है, जो लोगों में आपसी गिले- शिकवे और भेदभाव को समाप्त कर आपसी मेल-जोल को बढ़ाता है। बड़े बुजुर्गो के आदर करने का पर्व है। बड़े बुजुर्ग, छोटे बच्चे सभी इस पर्व को मानते हैं। होलिका दहन के माध्यम से नकारात्मक ऊर्जा और विचारधारा को समाप्त कर एक नई शुरुआत की जाती है। 'होली' का पर्व अपनी संस्कृति को जीवित रखने के लिए ही मनाया जाता है, इसीलिए होली का महत्व हमेशा से रहा है और हमेशा रहेगा।

आज की युवा पीढ़ी पहले की अपेक्षा अधिक अपने धर्म-समाज से जुड़ी हुई है, त्योहारों के माध्यम से युवाओं को धर्म और समाज से अधिक जोड़ा जा सकता है, वे अपने धर्म, संस्कृति, रीति-रिवाज को समझे, इसीलिए पर्व मनाना जरूरी है। पीढ़ी दर पीढ़ी होली मनाने की परंपरा चली आ रही है। विशाखापट्टनम में स्थानीय निवासियों और अन्य समाज बंधुओ द्वारा मिलकर यह त्यौहार बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है।

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, हम उन्हें गौमाता कहकर ही पुकारते हैं, उनकी सेवा सुरक्षा जरूरी है, विशाख प्रेम गौशाला से जुड़ा हुआ हूं।

शंकरलाल जी मूलतः राजस्थान के खाटुश्याम जी स्थित 'हनुमानपुरा' के निवासी हैं। आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा राजस्थान में संपन्न हुई है, ६० सालों से आपका परिवार आंध्र प्रदेश के 'विशाखापट्टनम' में बसा हुआ है, यहां आप होटल कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं, राजस्थान सांस्कृतिक मंडल के अध्यक्ष व मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष रहे हैं, खांडल विप्र सभा और विप्रो फाउंडेशन के सदस्य हैं, अन्य कई संस्थानों से जुड़े हैं। जय गौमाता! जय भारत!

-मेरा राजस्थान

समस्त राजस्थानी समाज की एकमात्र पत्रिका
'मेरा राजस्थान' के सभी पाठकों को विश्वनाथ भरतिया परिवार
की तरफ से 'होली' के पावन पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं!

भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए इंडिया नहीं

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारत को 'भारत' ही बोला जाए

खेलों होली अपनों के संग, जीवन में भर दे खुशियों के रंग
होली की हार्दिक शुभकामनायें

Shankar Lal Sharma
Mob: 9032777711

HOTEL
RAJASTHAN PALACE

#31-1-235, Beside Sivalayam, Bowdara Road Near
Golul Theatre, Visakhapatnam, Bharat- 530 004
E-mail: hotelrajasthanpalace@gmail.com

रंगो उत्सव होली के पावन पर्व
पर मेरा राजस्थान की सभी
पाठकों व विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक शुभकामनाएं

खेलों होली अपनों के संग, जीवन में भर दे खुशियों के रंग
होली की हार्दिक शुभकामनायें

Sunil Kumar Goel
Mob: 9437279132

Goyal
Automobiles

Kesinga, Kalahandi, Odisha, Bharat- -766012
Email: gamksng@gmail.com

खेलों होली अपनों के संग, जीवन में भर दे खुशियों के रंग
होली की हार्दिक शुभकामनायें

Arvind Indauria
Mob: 9381066778

SRI
INTERNATIONAL
Premium Scrap & Steel Solutions

The Steel People
Your Trusted Partner in Scrap & Steel Trading

1st Floor, 6/98, Seshachala Gramani Street, Sathangadu, Thiruvottiyur,
Chennai, Bharat- 600 019, email:- sriinternational2025@gmail.com

वसंत ऋतु की छाई है बहार, चले है पिचकारी, उड़े है गुलाल,
रंग बरसे नीले, हरे लाल
होली पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

GHANSHYAMDAS JHAWAR
Mob: 97049 88145

7-2-1029, Station road, Secunderabad,
Telangana, Bharat- 500003

ब्रह्म नाद यानी 'ॐ' के उच्चारण से तनाव के साथ कई बीमारियों का खतरा घटता है

ॐ का १०८ बार उच्चारण करना चाहिए, इसके कंपन से थायरॉइड रोगियों को लाभ मिलता है, नियंत्रित रहता है।

४० मिनट तक प्राणायाम किया जाता सकता है, जो लोग इसकी शुरुआत कर रहे हैं वे कम समय से भी शुरू कर सकते हैं।

ब्रह्म नाद, शब्द नाद और अनहद नाद ये तीनों एक ही हैं, इनका अर्थ बिना चोट से निकली आवाज है, जब कोई व्यक्ति प्राणायाम में ॐ (ओम) का उच्चारण करता है तो उससे कई तरंग (फ्रीक्वेंसी) निकलती है, इसे हम महसूस तो नहीं कर सकते लेकिन इसके उच्चारण से न केवल हम अच्छा महसूस करते हैं बल्कि शारीरिक, मानसिक और दिमागी स्तर पर भी इसका लाभ मिलता है, नियमित करने से व्यक्ति संपूर्ण रूप से स्वस्थ रहता है, जानते हैं ब्रह्म नाद के बारे में विस्तार से-

शरीर में चेतना बढ़ाता है: यह मस्तिष्क से हृदय और फिर नाभि तक चेतना को जगाने का काम करता है, इसके नियमित उच्चारण से व्यक्ति स्वस्थ और दीर्घायु होता है, शास्त्र के अनुसार ओम शब्द की साधना से शारीरिक, मानसिक और दिमागी लाभ मिलता है।

शारीरिक मजबूती : हृदय की पंपिका क्रिया को बढ़ाती है, फेफड़ों, हृदय और मस्तिष्क का व्यायाम होता है। फेफड़ों व मस्तिष्क को अधिक ऑक्सीजन मिलती है। हृदय की पंपिंग क्रिया में सुधार होता है, शरीर जनकी कोशिकाओं में ऑक्सीजन अधिक मिलने से कमजोर सेल्स भी सक्रिय होते हैं, कार्बन डाइ ऑक्साइड घटता और शरीर ऊर्जावान होता है। उच्चारण से गले में कंपन से थायरॉइड में लाभ होता है, कई महिला रोगों से भी बचाव होता है।

मानसिक लाभ : डिप्रेशन, एंजायटी से बचाव, दिमाग शांत रहता है, तनाव उलझन, अवसाद आदि मानसिक रोगों से बचाव होता है, इसको ऐज ऑफ एंजायटी भी कहा जाता है। तनाव से डायबिटीज, थायरॉइड, हार्ट डिजीज, आर्थराइटिस, ब्लड प्रेशर, कैंसर, हड्डियों आदि से जुड़े रोगों का खतरा बढ़ता है, अनिद्रा की समस्या है तो नियमित रात में सोते समय इसका उच्चारण करने से अच्छी नींद आती है।

दिमागी सेहत : अच्छे हार्मोन्स बढ़ते हैं, मस्तिष्क में कई तरह के हार्मोन्स होते हैं जो हमारी सेहत के लिए जिम्मेदार हैं। ''ओम'' के उच्चारण से मन प्रसन्न रहता है, हम अंदर से खुश होते हैं जिससे शरीर में हैप्पी हार्मोन्स डोपामिन, ऑक्सोटोसिन, सेरोटोनिन, एंडोरफिन का स्तर बढ़ता है, छात्रों को इसका सही तरह से उच्चारण सीख कर नियमित १०-१५ मिनट करना चाहिए। इससे स्मरण शक्ति बढ़ती है और ध्यान भी केंद्रित होता है।

ऐसे करें उच्चारण : ॐ का उच्चारण कई तरह से किया जाता है, लेकिन सामान्य रूप से गहराई से सांस निकलने तक उच्चारण करें, इसे कई बार जल्दी-जल्दी भी उच्चारण कर सकते हैं तब आसपास कोई दूसरी आवाज नहीं होती है, इससे हम सीधे जुड़ते हैं, मन नियंत्रित होता है, बाहर से जुड़ाव अलग हो जाता है, शरीर तनाव मुक्त हो जाता है।

अभ्यास कब करें : भ्रामरी प्राणायाम या ब्रह्म नाद सुबह सूर्योदय के समय शांत जगह पर बैठकर करना चाहिए, बैठना का तरीका सुखासन हो तो ज्यादा अच्छा रहता है। उच्चारण रोजाना कम से कम १०८ बार करें, ४० मिनट तक कर सकते हैं।

घबराहट हो तो रोक दें : इसके उच्चारण के समय अगर घबराहट या सही उच्चारण न हो तो रोक दें, फिर थोड़ी देर आंखों को बंद कर गहरी सांस लें और छोड़ें, इसके बाद से उच्चारण शुरू करें।

किसे नहीं करना चाहिए :

हाल में ही कोई सर्जरी हुई है, गर्भावस्था व माहवारी के दौरान नहीं करें, जिनका ब्लड प्रेशर अधिक और हाल ही हार्ट अटैक आया हो, बुखार, न्यूमोनिया या फेफड़ों की बीमारी, कीमोथैरेपी या फिर दिमाजी बीमारी का इलाज चल रहा है तो इसे करने से बचें।

होली के इस त्यौहार में छिपा है मिठास,
रंग और गुलाल में छिपा है ढेर सारा प्यार
होली की हार्दिक शुभकामनायें

Laxmikant Mundada
Mob: 9820452002
Shree Narayani wealth solutions
AMFI-Registered Mutual Fund Distributor
Email: poortata@gmail.com

होली के इस त्यौहार में छिपा है मिठास, रंग और गुलाल में छिपा हैं
ढेर सारा प्यार होली की हार्दिक शुभकामनायें

Lalith Rampuria
Mob: 9448460698 / 9844460698
Sachi Organics Ind
#68, Shri Ram Industrial Park, Narol, Ahmedabad,
Gujrat, Bharat- 382405

दिव्य चादर महोत्सव में देश-विदेश से पहुंचेगा जैन समाज

⇨ राजस्थान के जैसलमेर में भारतीय संस्कृति और समरसता का आयोजन

⇨ आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत रहेंगे प्रमुख अतिथि

जैसलमेर: जैन समाज का आध्यात्मिक 'युगप्रधान प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरी' का दिव्य चादर महामहोत्सव ६ मार्च से राजस्थान के जैसलमेर में शुरू होगा। तीन दिन चलने वाले इस आयोजन में अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और ऑस्ट्रेलिया समेत देश-विदेश से लगभग एक लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है, कार्यक्रम में आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की प्रमुख उपस्थिति रहेगी। महाराष्ट्र के विधानभवन में आयोजित प्रेस वार्ता में राज्य के कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि यह महोत्सव सामाजिक समरसता और आस्था का प्रतीक है। 'वसुधैव कुटुंबकम' विषय पर देशभर से विभिन्न धर्मो के लगभग २५०० साधु-संत विचार मंथन करेंगे।

पवित्र धरोहरो का पूजन

खरतरगच्छाधिपति पूज्य श्री जिनमणिप्रभ सुरिश्वरजी के सान्निध्य में ८७१ वर्षो बाद दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरी की दिव्य चादर के दर्शन श्रद्धालुओं को होंगे। गौरतलब है कि ८७१ वर्ष पूर्व अग्नि संस्कार के समय उनका शरीर भस्म हो गया था, लेकिन चादर, चोल-पट्टा और मुखपट्टी सुरक्षित रहे।

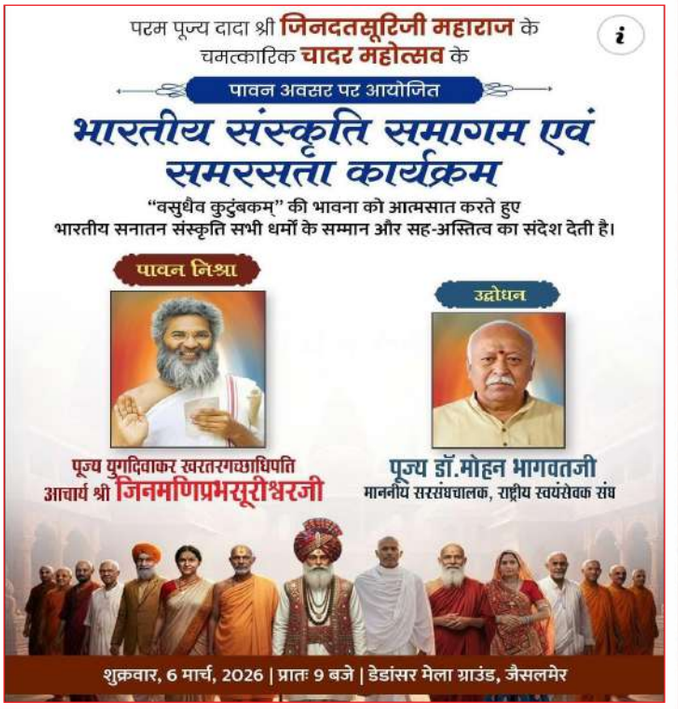

स्वास्थ्य वर्धक

पानी से पाएँ सेहत की चमक

हमारे शरीर का ६० प्रतिशत हिस्सा जल ही है यानी शरीर का जितना भार है, उसका ६० प्रतिशत भार जल है, जब शरीर में पानी की कमी होने लगती है तो त्वचा खुश्क-सूखी होने लगती है और शरीर में रोगों की राह खुल जाती है, पानी का अपना जादुई प्रभाव है, जो रोगों को नष्ट कर नवजीवन देता है। स्त्री व पुरूष के शरीर में पानी की मात्रा के अनुपात में २ प्रतिशत का अंतर होता है। स्त्री के शरीर का पानी अनुपात पुरूष शरीर के पानी अनुपात से २ प्रतिशत अधिक होता है, इसी कारण स्त्री का शरीर अधिक लचीला व मुलायम होता है। अपने शरीर को पानी द्वारा स्वस्थ व सुंदर बनाया जा सकता है, बस कुछ तरीके अपनाने की जरूरत है-

- जब भी पानी पिएँ बैठकर पिएँ, बैठकर पानी पीने से पानी पेट में जाकर धीमे-धीमे आँतों में प्रवेश करता है। आँतों में पानी का धीमा प्रवेश आँतों की सफाई करता है।
- जब भी पानी पिएँ गिलास होठों से लगाकर ही पिएँ, ऐसा करने से मुँह में उपस्थित स्लाइबा व लार पानी के साथ घुलकर पेट में पहुँच जाता है और पेट में लाइपेज, टाइलिन व एमाइलेज लार पेट को दुरूस्त व स्वस्थ रखता है, जब भी पानी पिएँ कम मात्रा में घूँट-घूँट कर तथा बार-बार पिएँ, ऐसा करने पर गुर्दे फिल्ट्रेशन का काम अच्छी तरह करते हैं और इस तरीके से शरीर के अंदर की गर्मी व गंदगी दूर होती है।
- दिन-भर करीब अपने शरीर के वजन का ५-६ प्रतिशत पानी अवश्य पीएँ इससे शरीर मल, पेशाब, थूक व पसीने द्वारा विजातीय तत्वों को बाहर कर देता है।
- हमेशा ताजे पानी से नहाने के बाद शरीर को तौलिए से तुरंत न पोंछे, शरीर को तौलिए से पौंछने पर शरीर के रोम छिद्र बंद हो जाते हैं, नहाने के बाद शरीर को सूखने दें, ऐसा करने पर शरीर स्वयं ही पानी को सोखने की प्रक्रिया शुरू कर पानी को सोख लेता है।
- भोजन के १ घंटे पहले व आधा घंटे बाद ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीएँ। खाना खाने के साथ पानी का प्रयोग न करें, ऐसा करने पर खाना बगैर पचे आँतों में पहुँच जाता है और पेट में अपच की शिकायत बनी रहती है।
- सप्ताह में एक बार टब स्नान अवश्य लेना चाहिए, ऐसा करने पर रीढ़ व मस्तिष्क को भरपूर मात्रा में ऑक्सीजन पहुँचना शुरू हो जाता है, मस्तिष्क में ऑक्सीजन की मात्रा जोश व स्फूर्ति जगाती है।
- सुबह खाली पेट नींबू पानी, सोते समय आँवला पानी पीने से मोटापा व कब्ज जैसे रोगों से निजात मिलती है।
- चेहरे का स्पंज बाथ करने पर चेहरे पर चमक व सुंदरता आती है। चेहरे का स्पंज बाथ मुँहासों से मुक्ति दिलाता है। स्पंज बाथ से त्वचा को पानी के साथ-साथ ऑक्सीजन भी मिलता है।

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम
Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

होली के इस त्यौहार में छिपा है मिठास, रंग और गुलाल में छिपा हैं
ढेर सारा प्यार होली की हार्दिक शुभकामनायें

Narendra Kasat
Mob. : 98201 44850

Ravikant Kasat
Mob. : 9920121210

Lokesh Kasat
Mob. : 9819759666

KASAT PLASTIC

IMPORTER & PROCESSOR
PALSTIC RAW MATERIALS

K-14, Ansa Industrial Estate, Saki-Vihar Road, Sakinaka,
Andheri East, Maharashtra, Mumbai, Bharat-400072
Tel: 022-28471438/1510 e-mail : kasatplastic@gmail.com

प्यार के रंग से भरो पिचकारी, स्नेह के रंग से रंग दो दुनिया सारी..
होली पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

बालकृष्ण देवड़ा

मोबाइल : 09415211553
09956053420
09307017407

एजेंसी हाऊस

देशी घी, रिफाइंड, वनस्पति घी, फ्रोजन डेज़र्ट फॅट एवं जेली आदि

36 बी, दादा नगर, कानपुर, उत्तर प्रदेश-208022
E-mail : agencyhousekanpur@gmail.com

भारत को 'भारत' ही बोला जाए 'INDIA' नहीं एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत'

प्यार के रंग से भरो पिचकारी स्नेह के रंग से रंग दो दुनिया सारी..
होली पर्व पर हार्दिक शुभकामनायें

DINESH KHAITAN
Mob: 9002785318

NAYAN KHAITAN
Mob: 7797504231 / 8434545499

SUPREME SALES

GROHE HÄFELE Supreme® People who know plastics best KOHLER

Shop no. 7, Abhishek Plaza, Exhibition
Road, Patna, Bharat-800001

वसंत ऋतु की छाई है बहार, चले है पिचकारी, उड़े
है गुलाल,रंग बरसे नीले, हरे लाल होली पर्व पर
हार्दिक शुभकामनायें

Rajesh Bajaj

Mobile: 9422956747 / 7507216871

BAJAJ

SEEDS & PESTICIDES

Distributors For Quality Seeds & Pesticides

10, Zunzunwala Market, Old Cotton Market Road,
Amravati, Maharashtra, Bharat- 444 601,
Email: rajeshbajaj861@gmail.com

RNI No. MAHHIN/ 2003/11570
Postal Registration No. MCN/113/2025-2027
WPP License No. MR/Tech/WPP-246/North/2025-27
License to post without prepayment'
Published on 28/02/2026 & Posting on 30th of every previous Month
at Marol Bazar Post Office, Mumbai - 400 059.

ADD Gel®
LEADERS IN WRITING TECHNOLOGY

24 SHADES

CALLIGRAPHY
GIFT OF CREATIVITY

Best Gift for Birthday

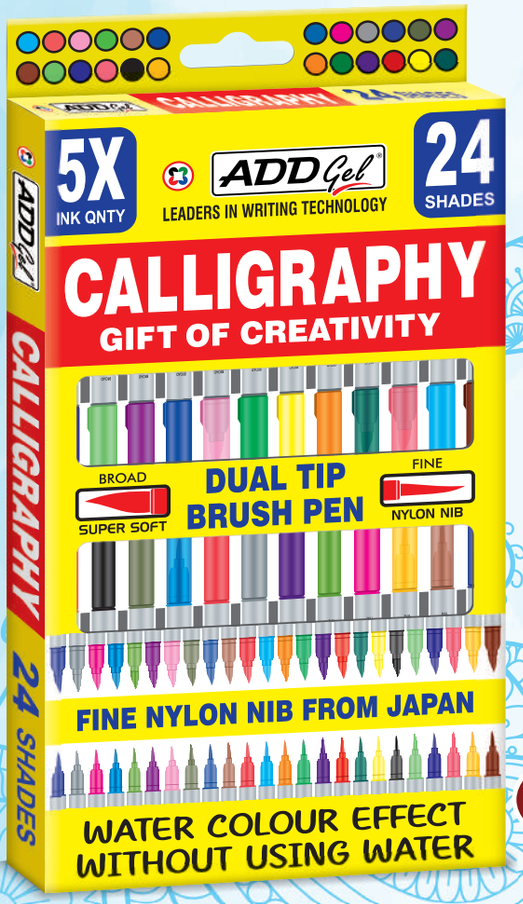

DUAL TIP BRUSH PEN

FINE NYLON NIB FROM JAPAN

BROAD
SUPER SOFT
FINE
NYLON NIB

MRP ₹450/- PER PACK

Make in India

www.shop.addpens.com

गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए संपादक, मुद्रक व प्रकाशक बिजय कुमार जैन द्वारा विनय ग्राफिक्स, युनिट नं 13, रवी इन्ड. को.-ऑप. सोसाइटी लि., 25 महल इन्ड ईस्टेट, महाकाली केव्हज रोड अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400093 से मुद्रित करवाकर बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400 059 से प्रकाशित किया गया, टेलीफैक्स-022-4015 8094
अणुडाक - mailgaylordgroup@gmail.com अन्तरताना - www.merarajasthan.co.in